A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 30 मार्च, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 176, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

खाड़ी देशों को अपनी हिफ़ाज़त के लिए नई रणनीति की जरूरत है?

नसरीन हातुम

मध्य-पूर्व में हाल ही में हुए युद्ध ने खाड़ी देशों की रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये सवाल दुनिया की बड़ी सैन्य ताक़तों के साथ हुए रक्षा समझौतों के कारगर होने और इन देशों में विदेशी सैन्य ठिकानों की मेज़बानी पर उठे हैं। ज़ाहिर तौर पर, अब तक जो समझौते थे वो तनाव को रोकने या खाड़ी देशों की हिफ़ाज़त करने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुए हैं। इसलिए रक्षा साझेदारी के व्यापक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। इसके बावजूद कि कई खाड़ी देशों के अमेरिका और पश्चिमी साझेदारों के साथ सुरक्षा समझौते हैं, इस युद्ध ने इन गठबंधनों पर निर्भरता की बजाय रक्षा विकल्पों की व्यापक समीक्षा करने के लिए मजबूर कर दिया है।

क़तर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ़्रेंस में संकेत दिया कि खाड़ी देशों को मौजूदा युद्ध के मद्देनज़र अपनी साझा क्षेत्रीय सुरक्षा प्रणाली का फिर से मूल्यांकन करने की ज़रूरत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि खाड़ी देशों की रक्षा साझेदारी, युद्ध के दौरान रक्षात्मक दृष्टि से प्रभावी साबित हुई है। मौजूदा ख़तरों से निपटने के लिए खाड़ी देशों को क्षेत्रीय समन्वय के स्तर पर एक जैसा रुख़ अपनाने की ज़रूरत है।

यह बहस एक मौलिक सवाल उठाती है। सवाल है कि क्या दुनिया की बड़ी ताक़तों पर निर्भरता लंबे समय तक खाड़ी देशों के लिए एक प्रभावी विकल्प बनी रहेगी, या नई रक्षा साझेदारियां सामने आएंगी? अमेरिकी पत्रकार सेबेस्टियन रुब्लिन रक्षा मामलों के विशेषज्ञ हैं। उनका मानना है कि अमेरिका (इसराइल के साथ मिलकर) ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों से ईरान के ख़िलाफ़ युद्ध छेड़ा, जिसकी वजह से ईरान ने इन देशों के ख़िलाफ़ जवाबी कार्रवाई की। खाड़ी देश इस संघर्ष में अपनी ज़िम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त नहीं हैं। रूब्लिन ने उन रिपोर्टों का हवाला दिया जिनमें कहा गया है कि कुछ देशों ने 'चुपचाप' अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया और इसे ईरान को कमज़ोर करने के अवसर के रूप में देखा, क्योंकि ईरान को लगातार एक ख़तरे के रूप में देखा जाता है। क़तर और बहरीन जैसे अन्य छोटे खाड़ी देश भी थे जो यह युद्ध नहीं चाहते थे।'

वाशिंगटन स्थित गल्फ इंटरनेशनल फोरम की कार्यकारी निदेशक दानिया ज़फ़र का मानना है कि ईरान पर अमेरिकी हमले का खाड़ी देशों की सुरक्षा पर कई तरह से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी हमले से पहले ईरान खाड़ी देशों पर किसी भी तरह से हमला करने में हिचकिचा रहा था। इसका मतलब है कि अमेरिका की मौजूदगी एक डेटेरेंट के तौर पर काम करती है, क्योंकि ईरान ने इस अवधि के दौरान किसी भी खाड़ी देश पर हमला करने की कोशिश नहीं की।'

कुवैत विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफ़ेसर हमाद अल-थुनिन के विचार में, 'मूल समस्या यह है कि अमेरिका ने खाड़ी देशों के हितों को ध्यान में रखे बिना, इसराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के उद्देश्यों को प्राथमिकता देते हुए इस युद्ध में प्रवेश करने का विकल्प चुना। खाड़ी देशों के ईरान के साथ संबंध तनाव के कई चरणों से गुज़रे हैं, लेकिन इन देशों ने सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए कूटनीति को ही प्राथमिकता दी है।

कई लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि खाड़ी देशों ने ईरानी हमलों का सैन्य रूप से जवाब क्यों नहीं दिया है? दानिया ज़फ़र का कहना है कि खाड़ी देशों ने ईरानी हमलों के ख़िलाफ़ प्रभावी ढंग से अपना बचाव किया है। क़तर ने ज़्यादातर दिनों में 100 प्रतिशत तक मिसाइलें रोकीं। हालांकि, खाड़ी देश ईरान के साथ सीधे युद्ध करने में सक्षम हैं। लेकिन किसी भी हमले का ईरान की ओर से कहीं अधिक आक्रामक जवाब दिया जाएगा। उनका मानना है कि 'खाड़ी देशों की सैन्य कार्रवाई का सहारा लेने में दिलचस्पी नहीं होने के तीन कारण हैं: यह हमारा युद्ध नहीं है, हमने इसे शुरू नहीं किया है, और यह हमारे हित में नहीं है। यह रणनीतिक धैर्य का प्रतिबिंब है, न कि क्षमता की कमी का।'

सेबेस्टियन रुब्लिन का मानना है कि इस युद्ध ने खाड़ी देशों के लिए ईरानी ड्रोनों से पैदा हुए ख़तरे को उजागर किया है, जिन्हें ट्रैक करना और रोकना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इनकी कम लागत (20 से 40 हज़ार अमेरिकी डॉलर) के कारण पैट्रियट या थाड जैसी महंगी मिसाइलें इनके ख़िलाफ़ आर्थिक रूप से अव्यवहारिक साबित होती हैं। कभी-कभी एक ही हमले का मुक़ाबला करने के लिए बड़ी संख्या में पैट्रियट मिसाइलें दागी जाती हैं। उनका मानना है, 'अवरोधक मिसाइलों के भंडार को दोबारा भरने, रक्षा प्रणालियों की अतिरिक्त परतों में निवेश करने और अधिक सेंसर तैनात करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विमान और सैटेलाइट आधारित सेंसरों की भी ज़रूरत होगी। अमेरिका, यूरोप और दक्षिण कोरिया इसमें मदद कर सकते हैं। रूब्लिन ने आगे कहा कि 'रूस और चीन जैसी वैकल्पिक शक्तियों के भी ईरान के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। वहीं खाड़ी देशों ने यूरोप, चीन और रूस की ओर रुख़ करके अपने हथियारों के स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश की है।'

दानिया ज़फ़र को उम्मीद है, 'खाड़ी देश अमेरिका के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे। मुझे लगता है कि हाल की घटनाओं के बाद, हम इस क्षेत्र में एक बड़ी हथियारों की होड़ के कगार पर हैं और मेरा मानना है कि अमेरिका खाड़ी सुरक्षा की रीढ़ बना रहेगा।' अल-थुनिन का यह भी मानना है कि खाड़ी देशों और अमेरिका के बीच आर्थिक और सैन्य दोनों तरह के रणनीतिक संबंध तब तक जारी रहेंगे जब तक वे साझा और पारस्परिक हितों पर आधारित हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने हाल ही में 'ले मोंद' अख़बार को दिए एक इंटरव्यू में घोषणा की कि अमेरिका ने मध्य-पूर्वी देशों में स्थित अपने सैन्य ठिकानों के संबंध में उनके देश से संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब, क़तर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत ने भी उनसे संपर्क किया है। यूक्रेनी विशेषज्ञ ज़मीनी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और अनुभव साझा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य-पूर्व में चाहे कितने भी पैट्रियट, थाड या अन्य हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात कर दी जाएं, यह पूरी तरह से प्रभावी हवाई रक्षा हासिल करने के लिए काफ़ी नहीं हैं. बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों का मुक़ाबला करने के लिए आधुनिक इंटरसेप्टर भी बनाए गए हैं।' हालांकि ज़ेलेंस्की ने स्पष्ट किया कि उनका देश अपने साझेदारों को कोई भी अतिरिक्त प्रणाली बेचने के लिए तैयार है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

धोती पहन बजाया ड्रम, एलडीएफ-यूडीएफ पर बोला हमला

● केरल में दिखा पीएम मोदी का अलग अंदाज, बीजेपी को बताया युवाओं की पसंद

पल्लकड़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को केरल दौरे पर रहे। उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में पलक्कड़ में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करने से पहले उन्होंने केरल के मशहूर ड्रम 'चेंडा' पर हाथ आजमाया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब विकास और स्थिरता के लिए नए विकल्प की ओर देख रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केरल के युवा खासतौर पर बीजेपी और एनडीए की नीतियों से प्रभावित हो रहे हैं। पीएम ने कहा कि केरल अब बदलाव का संदेश दे रहा है। बीजेपी-एनडीए केरल के युवाओं की पसंद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार केरलम में एक अलग ही माहौल है। केरलम बदलाव का संदेश दे रहा है।

बीजेपी के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत

पीएम मोदी ने कहा कि इस बदलाव के पीछे केरलम की जनता का आशीर्वाद है। इसके पीछे केरलम भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत है। हमारे कितने ही कार्यकर्ताओं ने यहां राजनीतिक हिंसा के कारण अपना जीवन खोया है, मैं आज उन सभी कार्यकर्ताओं को इस मंच से श्रद्धांजलि देता हूं। दशकों से केरलम स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक ओर एलडीएफ तो दूसरी ओर यूडीएफ। एक ओर कम्यूनिस्ट तो दूसरी ओर कांग्रेस। एक भ्रष्ट तो दूसरा महा भ्रष्ट।

एलडीएफ यूडीएफ का सारी नीतियां वोट बैंक के लिए

एलडीएफ और यूडीएफ की सारी नीतियां सिर्फ वोटबैंक राजनीति के लिए ही होती है। इन्हें केरलम के विकास की कोई चिंता नहीं है। यहां बनने वाली एनडीए सरकार यहां का तेज विकास करेगी, विकसित केरलम बनाएगी, यह मोदी की गारंटी है। एलडीएफ यूडीएफ पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दशकों तक इन दोनों ने मिल बांटकर केरलम को लूटा। इनके बीच हमेशा से एक समझौता रहा है।

शरद की सुबह

लोक-मन बोलियों में बोलता है
इल्म ख़ामोशियों में बोलता है।
उसकी बातों पे ध्यान क्या देना
वो जो मदहोशियों में बोलता है।
घर में मतभेद कलह का क़िस्सा
घर की बर्बादियों में बोलता है।
सिधाई उसकी उसका भोलापन
उसकी नाकामियों में बोलता है।
पीढ़ीयों का पुरानी सब अनुभव
बाद की पीढ़ियों में बोलता है।
दर्द स्त्री न अपना कह नहीं पाती
उसकी यह सिसकियों में बोलता है।

– दिनेश मालवीय 'अश्क'

भारतीय सेना की मारक क्षमता में 'प्रहार' लाएगी विस्तार

लाइट मशीन गन की मिल गई पहली खेप, सैन्य शक्ति का नया अध्याय

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारतीय सेना को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन की पहली खेप सौंपी। यह 7.62 मिमी कैलिबर के हथियार ग्वालियर के स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स में बनाए गए हैं। सरकार इन हथियारों का इस्तेमाल पर सुरक्षा और मारक क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। 'प्रहार' की मारक क्षमता 1,000 मीटर तक है, जिससे दुश्मनों को दूर से निशाना बनाया जा सकता है। मशीन गन 8 किलोग्राम की हैं, जिनकी लंबाई 1100 एमएम है। एक मिनट में 700 राउंड फायरिंग होगी।

सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी पर जोर

अंबरासु ने कहा कि सरकार रक्षा उद्योग के साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने गति और पैमाना को रक्षा खरीद के दो अहम स्तंभ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार और निजी कंपनियों को साथ मिलकर काम करना होगा। ग्वालियर में बना यह केंद्र करीब 100 एकड़ में फैला है और इसका सालाना उत्पादन लगभग 1 लाख हथियारों का है। इसमें इस्तेमाल होने वाली 90 फीसदी से ज्यादा सामग्री देश में ही तैयार की जाती है। यहां एक अंडरग्राउंड फायरिंग रेंज भी है, जहां अधिकारियों ने निशानेबाजी का अभ्यास किया।

भोपाल में महावीर जयंती पर अवकाश आज

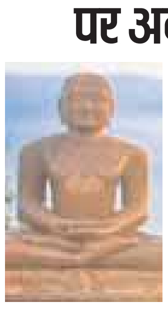

भोपाल। भोपाल कलेक्टर ने जिले में महावीर जयंती का अवकाश अब पूर्व घोषित 31 मार्च के स्थान पर आज 30 मार्च को घोषित किया है। उल्लेखनीय है कि अवकाश की तारीख बदलने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर विचार के उपरांत राज्य शासन ने कलेक्टरों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अवकाश घोषित करने हेतु अधिकृत किया था।

रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण

माँ नर्मदा के आशीर्वाद से प्रदेश में बह रही है विकास की नई धारा : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भी होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा और देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा परियोजनाओं को नई गति मिली है। सरदार सरोवर परियोजना के माध्यम से गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र सहित व्यापक भू-भाग में जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे कृषि, उद्योग एवं पेयजल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में आयोजित नर्मदा के चतुर्थ चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर शहर को पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिये मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण के तहत अमृत 2.0 योजना में 1356 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन। इससे शहर की पेयजल आपूर्ति संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री इंदौर के रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर संचालित किए गए इस संकल्प से समाधान अभियान के तहत इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रभावी रूप से संचालित हुआ। प्रदेश में अब जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नहरों का निर्माण एवं जल संरचनाओं पुनर्जीवित किया जाएगा। यह अभियान गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हो गया है, जो गंगा दशमी तक जारी रहेगा।

महिलाओं को 24 हजार करोड़ दे रहे 4 चुनावी राज्य

● तमिलनाडु में समर पैकेज और असम में बिहू बोनस की धूम ● बंगाल में ममता ने सबसे बड़ा दांव लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से चार राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने जीत के कथित फॉर्मूले यानी कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांव लगाया है। चारों राज्य महिलाओं के बैंक खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर रहे हैं। चुनावी वादा भी यही है कि सत्ता में आए तो ऐसे ही 5 साल तक पैसे खातों में जाते रहेंगे। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने 2-2 हजार रु. स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खाते में डाल दिए। असम की भाजपा सरकार ने बिहू मनाने के लिए 4-4 हजार रुपए दे दिए। केरल की वामपंथी सरकार भी स्त्री सुखम नकद योजना ले आई। 10 लाख महिलाओं को हर महीने 1-1 हजार रुपए मिल रहे हैं। बंगाल की तृणमूल सरकार तो फरवरी में लक्ष्मी भंडार स्कीम में 500 रु. बढ़ा चुकी है।

अब 15 राज्य दे रहे महिलाओं को नगद सहायता– बीते 5 साल में हुए चुनावों का ट्रेंड देखें तो पता चला है कि महिलाओं को कैश ट्रांसफर देने वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है। ये राज्य 13 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को 2.46 लाख करोड़ रु. तक सालाना नकद पैसा ट्रांसफर कर रहे हैं, जो इन राज्यों के कुल बजट का 0.7 फीसदी है। झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास के कुल बजट का 81 फीसदी हिस्सा महिलाओं को कैश ट्रांसफर में दे रहा है।

पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

● पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मिलकर दबोचा

5 साल से गांव शेरवानी कोटे में करते थे मजदूरी

मलेरकोटला (एजेंसी)। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे। इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पकड़े गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई।

जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई। मलेरकोटला पुलिस की एक विंग की टीम ने शनिवार को गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

फिलहाल इस मामले में पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों मलेरकोटला में पिछले 15 वर्ष से रह रहे थे। दोनों पाकिस्तानी है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 30 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

गोवा सेक्स स्कैंडल में 100 से ज्यादा नाबालिग पीड़ित

● कांग्रेस बोली-भाजपा पार्षद का बेटा 3 साल से इस नेटवर्क में शामिल

पणजी (एजेंसी)। गोवा में नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार भाजपा पार्षद के बेटे को लेकर कांग्रेस ने नए दावे किए हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित पाटकर ने आरोप लगाया कि इस सेक्स स्कैंडल में 100 से ज्यादा नाबालिग लड़िकयां पीड़ित हैं। साउथ गोवा के कर्चोरेम म्युनिसिपल काउंसिल के सदस्य सुशांत नाइक के 20 साल के बेटे सोहम पर नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें फैलाने का आरोप है। पुलिस ने अब तक सोहम के खिलाफ तीन शिकायतों की

पुष्टि की है। सोहम के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, गोवा चिल्ड्रन एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत चार मामले दर्ज किए गए हैं। गोवा प्रदेश महिला कांग्रेस के प्रोटेस्ट मार्च के दौरान अमित पाटकर ने कहा कि यह मामला जितना सामने आया है, उससे कहीं बड़ा हो सकता है। उनका दावा है कि आरोपी पिछले तीन सालों से इस तरह की गतिविधियों में शामिल था और पीड़ित कर्चोरेम, मडगांव, वास्को और पोंडा जैसे इलाकों से हैं। पाटकर ने पुलिस पर शुरुआती स्तर पर केस दर्ज करने में हिचकिचाहट के आरोप भी लगाए।

बेंगलुरु में प्रोफेसर ने स्टूडेंट को आतंकी कहा, सस्पेंड

● आरोप-यूनिवर्सिटी ने क्लास में पीड़ित का सपोर्ट करने पर अन्य छात्रों को सस्पेंड किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में निजी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के खिलाफ स्टूडेंट को आतंकी कहने पर शनिवार को केस दर्ज हुआ। यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर को सस्पेंड कर दिया है। घटना का 58 सेकेंड का वीडियो वायरल है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने मामले पर खुद से नोटिस लिया। घटना 24 मार्च की है। एफआईआर के मुताबिक, विशेष समुदाय के छात्र ने प्रोफेसर से क्लास से बाहर जाने की परमीशन मांगी। इस पर प्रोफेसर को गुस्सा आ गया। उन्होंने कहा– शर्म नहीं

आती तुमको आतंकी। प्रोफेसर यहां नहीं रुके, उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था कि मैं आज बहुत शांत रहूंगा। ईरान युद्ध तुम्हारे जैसे लोगों की वजह से हुआ। ट्रम्प तुम्हें ले जाएगा। तुम बेवकूफ होज्तुम नरक में जाओगे।' पुलिस के मुताबिक प्रोफेसर ने क्लास में पीड़ित छात्र को बार–बार आतंकी कहा और उसके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। घटना के वक्त क्लास में 60 स्टूडेंट मौजूद थे। पुलिस का कहना है कि छात्र की ओर से औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन प्रोफेसर के खिलाफ धारा 299 (धार्मिक भावनाएं आहत करने का प्रयास) और 352 (जानबूझकर अपमान) में केस दर्ज किया है।

अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

● 3,300 जगह प्रदर्शन, ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए।

आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं।

व्हाइट हाउस बोला-

प्रदर्शन से लोगों को फर्क नहीं पड़ता

व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को थेरेपी सेशन बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे राजा नहीं हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली है। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

दूसरे विश्व युद्ध के समय बने ऑयल टैंक को करेंगे जिंदा

● भारत और यूएई ने बनाया प्लान, श्रीलंका का ऊर्जा संकट होगा खत्म

कोलंबो (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में हो रहे अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव के चलते भारत का पड़ोसी श्रीलंका ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। इस मुश्किल समय में भारत एक बार फिर सामने आया है। भारत ने डीजल और पेट्रोल भेजकर श्रीलंका की मदद की है। इन सबसे बीच श्रीलंका के त्रिंकोमाली में दूसरे विश्व युद्ध के समय बने तेल टैंक के फार्म सुर्खियों में आ गए हैं।

श्रीलंका में इन तेल टैंकों को फिर से विकसित करने पर चर्चा हो रही है। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने इसे देश के ऊर्जा संकट का एकमात्र भरोसेमंद और लंबे समय का हल बताया है। हेराथ ने इसी 21 मार्च तो भारतीय मीडिया आउटलेट से बात की थी। उस दौरान उन्होंने ऊर्जा संकट को लेकर लंबी अवधि की रणनीति पर जोर दिया।

भारत और यूएई करेंगे तेल टैंक का विकास

इस समझौते के तहत भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात ने त्रिंकोमाली को एक क्षेत्रीय ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने पर सहमति जताई थी। इस समझौते में टैंक फॉर्म को आधुनिक करने और तेल शोधन व वितरण के लिए नए बुनियादी ढांचा स्थापित करने की योजनाएं शामिल थीं। त्रिंकोमाली प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने पर ऐसे समय में जोर दिया जा रहा है, जब श्रीलंका में ईंधन की स्थिति तेजी से बिगड़ गई है। हालांकि, श्रीलंका होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते सीधे तेल आयात नहीं करता है। उसके स्रोत भारत, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर हैं।

इंदौर में हवाई सुविधाओं का हो रहा विस्तार, मिली अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात

भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार अकल्पनीय, अब हर तबके के लिए संभव हुई हवाई यात्रा : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। लोकमाता के पद चिन्हों पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम जनसेवा के नए कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता ने ही देश के विमानन क्षेत्र का कायाकल्प किया है। प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज समाज के हर तबके के लिए हवाई यात्रा संभव हुई है। अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है वह अकल्पनीय है।

मध्यप्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत भी की गई है, इससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में लोकमाता अहिल्याबाई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण कर इन्दौरवासियों सहित पूरे मालवांचल को अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे हवाई यात्रा और भी अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगी। यह नया टर्मिनल इन्दौर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूती के साथ प्रतिस्थापित करेगा। इंदौर शहर की बेहतरीन हवाई सुविधाओं को अमेरिका क्वॉलिटी कॉउंसिल ने क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉउसिल की ओर से दिया गया क्वालिटी सार्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन इन्दौर एयरपोर्ट के पदाधिकारियों को सौंपकर बधाई दी।

प्रदेश में हर 150 किमी पर एक कमर्शियल एयरपोर्ट विकसित करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 8 एयरपोर्ट, 20 हवाई पट्टियां और 220 हेलीपैड्स मौजूद हैं। बीते दो साल में ही प्रदेश में रीवा, सतना और दतिया में नए एयरपोर्ट का सफल संचालन हमने शुरु किया है। उज्जैन और शिवपुरी में भी नया एयरपोर्ट बनाने की तैयारी कर ली है। इससे प्रदेश में कुल 10 एयरपोर्ट्स हो जाएंगे। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश में हर 150 किलोमीटर पर एक कमर्शियल एयरपोर्ट, हर 75 किलोमीटर पर एक एयरस्ट्रिप और हर 45 किलोमीटर पर एक हेलीपैड की सुविधा उपलब्ध हो।

युद्ध ने बिगाड़े हालात

धीमी हुई 'आर्थिक' रफ्तार

● वित्त मंत्रालय ने माना इकोनॉमी की रफ्तार पर पड़ रहा ईरान युद्ध का व्यापक असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने मार्च 2026 की अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब थोड़ी धीमी हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने माना है कि इन बाहरी झटकों की वजह से देश के अंदर इनपुट कॉस्ट यानी प्रोडक्शन की लागत बढ़ गई है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव दिख रहा

है। **फरवरी तक स्थिति मजबूत थी, मार्च से बिगड़ने लगी-** रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2026 तक भारतीय इकोनॉमी काफी मजबूत स्थिति में थी।

● **इनपुट कॉस्ट और सप्लाई चेन में दिक्कतें बढ़ीं–** मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 से ग्लोबल हालात बदलने लगे। वेस्ट एशिया में तनाव बढ़ने से एनर्जी मार्केट और लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई) बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसका सीधा असर भारत के प्रोडक्शन सेक्टर पर पड़ा है। रिपोर्ट में ई–वे बिल जनरेशन में आई कमी और फ्लैश परचेज मैनेजर इंडेक्स के कमजोर आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि महीने–दर महीने आधार पर इकोनॉमी की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है।

इकोनॉमी पर इन 3 वजहों से बढ़ रहा है दबाव

महंगा कच्चा तेल : ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतें बढ़ने से कंपनियों की लागत बढ़ गई है।

लॉजिस्टिक्स–इंश्योरेंस : समुद्री रास्तों में तनाव की वजह से माल ढुलाई का किराया और इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा हो गया है।

सप्लाई चेन :जरूरी इनपुट्स की सप्लाई में देरी होने से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर असर पड़ा है।

● *देश की इकॉनमी पर पड़ने लगा ईरान युद्ध का असर*

आर्थिक मोर्चे पर 'युद्ध' का साया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध के बीच भारत के लिए आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर नहीं है। इस युद्ध से अब देश की इकॉनमी पर शुरुआती दबाव दिखने लगा है। देश के चीफ इकनॉमिक एडवाइजर वी अनंत नागेश्वरन का कहना है कि ईरान युद्ध का देश के मैक्रोइकनॉमिक इंडिकेटर्स पर व्यापक असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ, महंगाई, राजकोषीय संतुलन और बाहरी संतुलन पर इसका काफी असर देखने को मिल सकता है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि देश में निकट भविष्य का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। बाहरी झटके विशेष रूप से पश्चिम एशिया संकट आर्थिक मोर्चे पर भारत को कमजोर कर रहा है।

वैश्विक घटनाओं ने बहुस्तरीय जोखिम पैदा कर दिए हैं

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी मार्च माह की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार वैश्विक घटनाओं ने भारत के लिए जटिल और बहुस्तरीय जोखिम पैदा कर दिए हैं। इसका कारण देश एक प्रमुख ऊर्जा आयातक होने के साथ–साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ मजबूत व्यापार, निवेश और धन प्रेषण का जुड़ाव है। इसमें कहा गया , हालांकि भारत के अपेक्षाकृत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और निरंतर नीतिगत प्रयास मजबूती प्रदान करते हैं, लेकिन बदलती स्थिति के लिए गहन निगरानी और सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है।

सहेली गेट पर पहरा देती, उसका पति करता था रेप

युवती ने पार्लर संचालिका पर लगाए आरोप, तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गुना (नप्र)। गुना में 22 साल की युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि जिस महिला के यहां युवती पार्लर का काम सीखने जाती थी, उसी ने अपने पति से कई बार रेप कराया। पीड़िता ने शनिवार शाम कैंट थाने में शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने महिला, उसके पति और देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एसपी हितिका वासल के मुताबिक, पीड़िता ने बताया कि वह गुलाबगंज निवासी यास्मीन खान के यहां पार्लर का काम सीखती थी। यास्मीन का पति शरीफ खान भी अकसर वहां मौजूद रहता था। करीब चार महीने पहले यास्मीन ने उसे काम के बहाने घर बुलाया। पुलिस ने पार्लर संचालिका, उसके पति और देवर पर केस दर्ज किया है।

मुझे बुलाकर यास्मीन कहीं चली गई

युवती ने बताया- जब मैं पहुंची तो घर में यास्मीन नहीं थी, बल्कि उसका पति शरीफ खान मौजूद था। इंतजार करने के दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया और किसी को बताने पर जान से मारने व बदनाम करने की धमकी दी। डर के कारण युवती ने यह बात अपने परिवार को नहीं बताई।

युवती ने बताया कि जब उसने यह बात यास्मीन को बताई तो उसने इसे नजरअंदाज करते हुए किसी को नहीं बताने की बात कही। इसके बाद कई बार ऐसा हुआ कि यास्मीन उसे घर बुलाती और धमका कर पति के साथ कमरे में भेज देती, जहां आरोपी उसके साथ रेप करता था और वह गेट पर पहरा देती थी।

एक तरफ बातचीत तो दूसरी ओर गुप्त मिशन का प्लान

● अमरीका के जमीनी हमले की आशंका पर ईरान ने खूब लताड़ा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका सिर्फ बातचीत का दिखावा कर रहा है। जबकि अंदरखाने वह एक गुप्त मिशन प्लान कर रहा है, जिसके तहत वह ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी में है।

यह बात ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने कही है। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दे डाली कि ईरान की सेना, अमेरिकी सैन्य बलों हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस दोहरे रवैये के लिए ईरानी संसद के स्पीकर ने डोनाल्ड ट्रंप को भी खूब लताड़ लगाई है। इरना समाचार एजेंसी द्वारा प्रकाशित कमेंट्स में, घालीबाफ ने ट्रंप की ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा पर उन्हें जमकर सुनाया। उन्होंने कहाकि दुश्मन खुलकर बातचीत संदेश भेज रहा है और गुप्त रूप से

जमीन हमले की योजना बना रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे लोग अमेरिकी सैनिकों के जमीन पर आने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें आग लगा सकें। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनान में तीन पत्रकारों की मौत पर गहरी चिंता जतायी है। साथ ही इसे सिर्फ मीडिया जगत के लिए बड़ी क्षति ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना के लिए एक गंभीर चेतावनी बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, जेज्जीन शहर में एक हवाई हमले में अल मनार टीवी के पत्रकार अली शोएब और अल मयादीन के पत्रकार फातिमा और मोहम्मद फेटोनी की मौत हो गई। यह हमला इजरायल रक्षा बल द्वारा किया गया बताया जा रहा है।

सच्चाई सामने लाने वाली आवाजों को खामोश करने की कोशिश

सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में अराघची ने इस हमले को टारगेट किलिंग करार दिया। उन्होंने कहाकि यह सच्चाई सामने लाने वाली आवाजों को खामोश करने की कोशिश है। उधर इजरायल की सेना ने अली शोएब की मौत की पुष्टि करते हुए दावा किया है कि वह हिजबुल्लाह का सदस्य था और पत्रकार के रूप में काम कर रहा था। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा छह अप्रैल तक बढ़ा दी है। राष्ट्रपति ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने कहाकि वह ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर बमबारी को फिलहाल रोकेंगे। यह ताजा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब युद्धविराम वार्ता को लेकर दोनों देश गतिरोध की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं तथा उन्होंने अपने–अपने रुख कड़े कर लिए। पश्चिम एशिया में हजारों अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक तैनात किए जाने के प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध जीत रहा है। उन्होंने अमेरिका की मदद न करने के लिए नाटो देशों की कड़ी आलोचना की, लेकिन बाद में कहा कि उन्हें उनकी सहायता की जरूरत नहीं है। वह ईरान के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समय–सीमा दो बार बढ़ा चुके हैं।

भोजशाला पहुंचा हाई कोर्ट का दल

इंदौर। धार की ऐतिहासिक भोजशाला के निरीक्षण के लिए शनिवार दोपहर करीब 2 बजे उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ का दल धार पहुंचा। दल के आगमन के साथ ही प्रशासन पूरी तरह

सतर्क नजर आया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हाई कोर्ट की टीम द्वारा भोजशाला परिसर का गहन निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान पुरातात्विक संरचना, धार्मिक उपयोग और व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा टीम को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन, पुलिस बल और संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है और स्थानीय लोगों की निगाहें इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि भोजशाला लंबे समय से संवेदनशील और ऐतिहासिक महत्व का विषय रही है, ऐसे में हाई कोर्ट का यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा।

इमारत में गिरने से महिला की मौत

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में निर्माणाधीन इमारत में गिरने से एक महिला की मौत हुई थी। अब मामले में पुलिस ने लापरवाही बरतने पर बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना 22 मार्च की है, जब महिला काम के दौरान हादसे का शिकार हुई। पुलिस के अनुसार स्कीम 78, धनलक्ष्मी नगर में निर्माण कार्य चल रहा था। यहां 32 वर्षीय लाड़की पत्नी कन्हैयालाल सफाई का काम कर रही थी। इसी दौरान वह दूसरी मंजिल पर बनी बिना रेलिंग की टाइल्स वाली सीढ़ी से फिसलकर सीधे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गई। हादसे में महिला के सिर में गंभीर चोट आई और काफी खून बह गया। परिजन उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में पाया गया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। सीढ़ियों पर रेलिंग नहीं थी और पास में खुला डक्ट भी मौजूद था, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई थी।

नशे में धुत कार सवारों का पुलिस पर हमला

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में रात चेकिंग के दौरान शराब के नशे में धुत कार सवारों ने पुलिसकर्मी के साथ जमकर मारपीट कर दी। आरोपियों ने ड्यूटी पर तैनात जवान की वर्दी फाड़ने की कोशिश की और जान से मारने की धमकी देकर हंगामा खड़ा कर दिया। पुलिस के अनुसार, फरियादी पुनीत चौबे बिचोली मर्दाना स्थित के-2 ढाबा के पास चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान संदिग्ध कार (एमपी-09 डब्ल्यूएम 2288) को रोका गया। ब्रीथ एनालाइजर जांच में चालक के शरीर में 265.9 एमजी/100 एमएल अल्कोहल पाया गया, जो निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक था। कार्रवाई शुरू होते ही चालक यशवर्धन खंडेलवाल और साथी करण भड़क गए। दोनों ने गाली-गलौज करते हुए पुलिसकर्मी के साथ झूमाझटकी और मारपीट की। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने स्थिति संभालकर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

रैपिडो चालक ने पता पूछा, चेन झपटी

इंदौर। पुलिस ने ऐसे बदमाश को गिरफ्तार किया है जो रैपिडो चलाते हुए रेकी करता था। इसके बाद मौका पाते ही वारदात कारित कर अपने घर देवास लौट जाता था। कुछ दिन पहले बदमाश ने पता पूछने के बहाने पैदल जा रही महिला की चेन झपट ली थी। लसूड़िया पुलिस को 19 मार्च को फरियादी शकुन्तला पति दुष्यंत चौकसे निवासी तुलसी नगर ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था वह सुबह साढ़े 7 बजे पूजा का सामन लेकर घर आ रही थी। तभी सस्ते में पीछे वाले रास्ते से काले रंग का मास्क लगाकर बिना नम्बर की बाइक से युवक आया। उसने मेरे आगे बाइक रोकी और रास्ता पूछने के बहाने रोक लिया। फिर अचानक धक्का देकर चेन छीनकर भाग गया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर धारा 309(4) का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इसके बाद घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर आरोपी सुरेश पिता राजाराम सरोज निवासी अमृत नगर देवास, हाल मुकाम श्रीराम नगर कांकड को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ देवास के कोतवाली थाने में 9 केस दर्ज हैं।

आलोक नगर में चोरी की वारदात टली

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित आलोक नगर के अपार्टमेंट में अज्ञात बदमाश ताला काटकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पड़ोसी की सतर्कता से उनका प्लान नाकाम हो गया। जानकारी के मुताबिक, अधरत अपार्टमेंट में रहने वाली सोनाली पांडे के घर को निशाना बनाया गया। बदमाश कटर की मदद से दरवाजे की कुंडी काट रहे थे। जैसे ही कुंडी कटी और ताला नीचे गिरा, उसकी आवाज सुनकर पास में रहने वाले पड़ोसी सक्षम को शक हुआ। सक्षम तुरंत बाहर आए और आवाज लगाई। किसी के आने का अंदेशा होते ही बदमाश घबरा गए और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शादी का एग्रीमेंट कराते प्रेमी जोड़े को पीटा

इंदौर। शादी का एग्रीमेंट करा रहे प्रेमी जोड़े से जीजा और मौसा ने मारपीट की। एमजी रोड पुलिस को फरियादी प्रीति ताहिर निवासी बाबा मनसब नगर ने बताया कि वह और अरविंद एक-दूसरे को पसंद करते हैं और सहमति से शादी करना चाहते हैं। इसी सिलसिले में वे शनिवार को जिला कोर्ट के पीछे स्थित गली में शादी का एग्रीमेंट तैयार कराने पहुंचे थे। तभी वहां अरविंद के जीजा आनंद अहिरवार और उसके मौसा बृजेश आए। दोनों ने प्रीति को एग्रीमेंट करने से मना किया। जब प्रीति ने मर्जी से शादी करने की बात दोहराई तो आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की।

'न्याय सबके लिए' विषय पर लगा शिविर

इंदौर। जिला लीगल सर्विसेस अथॉरिटी के तत्वावधान में न्याय सबके लिए, शोषण मुक्त समाज थीम पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम निर्भय सिंह पटेल कालेज में शनिवार दोपहर 1,15 बजे से शाम 5 बजे तक चला। शिविर का आयोजन सत्र न्यायाधीश शिवराज सिंह गवली के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें पीएलवी डॉ. छोटेलाल उटावदे और हेमेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों के जानकारी दी। डॉ उटावदे ने कहा, जब तक अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलता, तब तक न्याय अधूरा है। उन्होंने विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100, आपातकालीन नंबर 112, महिला हेल्पलाइन 1091 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में बताया। हाई कोर्ट के पैनल अधिवक्ता डीजी मिश्रा ने कंजूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत उपभोक्ता अधिकारों, ई-कॉमर्स सुरक्षा और त्वरित न्याय व्यवस्था पर व्यावहारिक जानकारी दी। आभार डॉ. शोभा चतुर्वेदी ने माना। इस अवसर पर 360 विद्यार्थी और 23 स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

महिला को कार से रौंदने वाले पिता-पुत्र से पूछताछ, मोहनीश के पास लाइसेंस नहीं

इंस्टाग्राम पर धमकी वाले वीडियो मिले, पहले भी उसका जुर्माना हो चुका

इंदौर। बुधवार रात निपानिया स्थित शिव वाटिका में सागर समृद्धि बिल्डिंग की महिला इंजीनियर शंपा पाठक पांडे की जान लेने वाले पिता-पुत्र का लसूड़िया पुलिस ने दो दिन का रिमांड लिया है। आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया। पूछताछ में पता चला कि मोहनीश का सिर्फ लर्निंग लाइसेंस बना था। थाने में बंद मोहनीश अपनी करनी पर रोने लगा। वह पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगा कि उससे गलती हो गई है। पुलिस दो दिन के रिमांड में आरोपियों से पूछताछ करेगी। वहीं उनकी शिनाख्त भी कराएगी। मोहनीश उर्फ मोहित बिगड़ैल प्रवृत्ति का लड़का है। वह अपनी सोशल मीडिया आईडी पर तेज ड्राइविंग और धमकी भरी रील भी पोस्ट करता था, जबकि आरोपी के पास लाइसेंस भी नहीं है। लसूड़िया थाने में बंद मोहनीश को अब अपने किए पर पछतावा हो रहा है। वह थाने में मायूस बैठा है। मोहनीश और उसके पिता कुलदीप चौधरी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें दो दिन का रिमांड मिला है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, दोनों से अभी प्रकरण संबंधी मामले में

पूछताछ की जाना है।

परिवार के नहीं हुए बयान

टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, अभी मामले में बिल्डिंग में रहने वाले चौकीदार की पत्नी रेणुका और कुछ लोगों के बयान हुए हैं। अभी मामले में शंपा के पति सौरभ और कुछ अन्य के बयान बाकी हैं। पुलिस के मुताबिक पिता-पुत्र पर काफी मजबूत प्रकरण बनाया जाएगा, ताकि आगे वे कानूनी मामले में राहत न पा सकें।

धमकी भरे वीडियो पोस्ट

मोहनीश की 'जाट एक्स' के नाम से इंस्टाग्राम आईडी है। इस पर वह धमकी भरे वीडियो डालता था। उसने तेज कार चलाने वाले कुछ वीडियो भी इस पर डाले थे। मोहित ने अपने पिता के झगड़े के दौरान अपने दोस्तों को भी विवाद में आने के लिए कॉल किया था, उसकी मदद के लिए कुछ लड़के कार से आए थे, पर माहौल देखकर उसी समय भाग गए। लोगों ने इस कार का नंबर नोट करके भी पुलिस को दिया है।

सिर्फ लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस

शनिवार को पूछताछ में आरोपी कुलदीप चौधरी ने बताया कि उसका बेटा मोहनीश चार माह पहले ही कार चलाना सीखा था। कुछ दिन बाद उसका लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया था। बेटे ने अभी हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। बचपन से वह गुस्सैल स्वभाव का था। जैसे ही मैंने उसे घटना स्थल पर जब मेरे महिला शंपा पांडे और अन्य लोगों से विवाद हुआ तो बेटे को बुलाया था। वह कार से आया और मुझसे बात करने लगा। मैंने उसे समझाया की तुझे केवल इसलिए बुलाया है कि लोग डर जाएं, लेकिन वह नहीं माना तो महिला पर कार चढ़ा दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी कुलदीप खुद इंजीनियर है। उसका छोटा बेटा भी है। दोनों आरोपियों को रविवार को विशेष न्यायालय में पेश किया जाकर दोबारा रिमांड पर लिया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस ने की थी कार्रवाई

मामले की जांच में पता चला कि मोहनीश को दिसम्बर में ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा था। वह अपनी कार में लाल बत्ती लगाकर घूम रहा था। इस पर उसके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में कार्रवाई की थी। पुलिस ने उसका 5 हजार रुपए का चालान बनाया था।

पाटनीपुरा-परदेशीपुरा की दुकानों की चालानी कार्रवाई पर व्यापारी भड़के

निगमकर्मियों पर वसूली के आरोप, आक्रोश देखकर कार्रवाई रोकी

इंदौर। नगर निगम की टीम के खिलाफ शनिवार शाम को पाटनीपुरा-परदेशीपुरा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। नाराज व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर रास्ता जाम कर दिया और दुकानें बंद कर दीं। घटना शाम करीब 4 बजे की है। व्यापारियों का आरोप है कि निगम कर्मचारी चालानी कार्रवाई के नाम पर दुकानों में घुसकर जबरन वसूली करते हैं। व्यापारियों का कहना है कि बिना ठोस कारण के चालान काटे जाते हैं। अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है। इस कथित मनमानी के विरोध में शनिवार को सभी व्यापारी एकजुट हो गए। प्रदर्शन के दौरान व्यापारी सड़क पर आ गए जिससे यातायात प्रभावित हुआ। हालात बिगड़ते देख निगम अमले को अपनी गाड़ियां छोड़कर पीछे हटना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि चालानी कार्रवाई के नाम वसूली बंद नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

कार्रवाई का विरोध किया

करीब साढ़े चार बजे निगम की रिमूवल टीम मोबाइल कोर्ट के माध्यम से क्षेत्र में अतिक्रमण और नियम उल्लंघन पर कार्रवाई कर रहा था। इसी दौरान कुछ व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया, जो धीरे-धीरे उग्र प्रदर्शन में बदल गया। प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों ने निगम अधिकारियों पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि कार्रवाई के नाम पर पैसे की मांग की जाती है। वहीं कुछ व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की कोशिश की गई। दूसरी ओर, निगम के रिमूवल दल के अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई के दौरान व्यापारियों ने ही बाधा उत्पन्न की और टीम के साथ अभद्रता की गई।

पुलिस ने स्थिति संभाली

स्थिति बिगड़ने पर परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर प्रदर्शनकारियों को हटाया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका, बता दें की इंदौर नगर निगम द्वारा अतिक्रमण और अन्य नियमों के उल्लंघन पर नियमित रूप से चालानी कार्रवाई की जाती है। हालांकि, इन कार्रवाइयों को लेकर समय-समय पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप भी सामने आते रहे हैं।

47 समूहों की 156 शराब दुकानों का निष्पादन, राजस्व का रिकॉर्ड बनाया

राजस्व का आंकड़ा सरकार के 20 प्रतिशत वृद्धि लक्ष्य से काफी ऊपर

इंदौर। आबकारी विभाग ने इस बार राजस्व के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया। वर्ष 2026-27 की ई-टेंडर प्रक्रिया सफल रही। अब तक 8 चरणों में 59 समूहों की 173 दुकानों में से 47 समूहों की 156 दुकानों का निष्पादन पूरा हो चुका है। इससे करीब 2001.92 करोड़ का राजस्व मिला, जो तय आरक्षित मूल्य 1844.11 करोड़ से 157.80 करोड़ ज्यादा है। यानी करीब 8.56 प्रतिशत की अतिरिक्त बढ़ोतरी। अगर पिछले साल 2025-26 के 1536.76 करोड़ से तुलना करें तो इस बार 465 करोड़ (30 प्रतिशत से ज्यादा) की बढ़त दर्ज की गई है। यह आंकड़ा सरकार के 20 प्रतिशत वृद्धि लक्ष्य से भी काफी ऊपर है, जिससे जिला पूरे मप्र. में राजस्व वृद्धि में नंबर एक बन गया है।

बड़े समूहों में जोरदार उछाल

पुनर्गठित समूहों में खासतौर पर बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला। टॉप 5 समूहों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई। इसमें स्कीम नं. 54, 134.95 करोड़ से बढ़कर 153.33 करोड़,एमआईजी समूह- 98.03 करोड़ से बढ़कर 111.11 करोड़, एमआर-9 समूहः 130.09 करोड़ से बढ़कर 150.20 करोड़. चंद्रगुप्त चौराहा एमआर-10, 99.38 करोड़ से बढ़कर 113.57 करोड़, मांगलिया समूह, 41.94 करोड़ से बढ़कर 52.83 करोड़ है। इन पांच समूहों ने मिलकर पिछले साल के 427.34 करोड़ के मुकाबले इस बार 581.05 करोड़ का ऑफर दिया। यानी करीब 36% की बड़ी छलांग लगाई।

आगे की प्रक्रिया जारी

अभी भी 5 समूहों की 17 दुकानों का आवंटन बाकी है, जिनका आरक्षित मूल्य 258.31 करोड़ है। विभाग इनकी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। कुल मिलाकर, पारदर्शी ई-टेंडरिंग, सख्त मॉनिटरिंग और बेहतर रणनीति के चलते इंदौर आबकारी विभाग प्रदेश में सफल मॉडल बनकर उभरा है, जो सरकार की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को दशार्ता है।

छात्र और युवक ने फांसी लगाई दोनों मामलों में कारण पता नहीं

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा छात्र फंदे पर लटका

इंदौर। शहर में गुरुवार-शुक्रवार को दो स्थानों पर छात्र और युवक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दोनों आत्महत्याओं में कारण का पता नहीं चल सका है। बिचौली मर्दाना में अपने ममेरे भाई अभिषेक के साथ रह रहे युवक आकाश पिता अशोक (25) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। शनिवार शाम जब अभिषेक रोज की तरह बाहर घूमने गया था, तब आकाश कमरे पर अकेला था। देर शाम जब अभिषेक वापस लौटा तो उसने आकाश को फंदे पर लटका देखा। घटना की सूचना मिलते ही कनाड़िया पुलिस मौके पर पहुंची, शव को फंदे से नीचे उतारा। फिलहाल वहां से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। ग्राम खेमाना में किसान द्वारा फांसी लगा ली। घटना के वक्त घर में कथा और भंडारे का कार्यक्रम चल रहा था। खुडैल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान भागवत सिंह पिता रूपसिंह (38) के रूप में हुई है। भागवत सिंह किसान थे। शनिवार को घर में मेहमानों और ग्रामीणों की आवाजाही लगी हुई थी और सभी भक्ति भाव में लीन थे। इसी दौरान भागवत सिंह चुपचाप घर में गए और फंदे पर झूल गए। काफी देर तक जब वे कार्यक्रम में दिखाई नहीं दिए तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। जब कमरे का दरवाजा खोलकर देखा गया तो फंदे पर लटके हुए मिले।

तेजाजी नगर के पटेल मार्केट की बंद दुकान में भीषण आग, 3 दुकान जलीं

रेस्टोरेंट के पास का मेडिकल स्टोर और क्लीनिक जले, जनहानि नहीं

इंदौर। शनिवार को तेजाजी नगर मेन रोड पर बने पटेल मार्केट में शनिवार को एक बंद दुकान में आग लग गई। बताया गया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट रहा। आग बढ़ती चली गई और पास में बने मेडिकल स्टोर और क्लिनिक को भी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गए। सूचना पर तेजाजी नगर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। करीब 30 हजार लीटर पानी डालकर आग को बुझाया जा सका। हालांकि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन बताया जा रहा है शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी हैं।

एक घंटे में आग पर काबू

फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के मुताबिक घटना शनिवार की है। पटेल मार्केट में आग लगने की सूचना 11.21 पर कंट्रोल रूम से मिली थी। सूचना मिलने के तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके लिए रवाना हो गई थी। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने में करीब 30 हजार लीटर पानी का इस्तेमाल किया गया। मौके पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां और चार टैंकर मौजूद थे। तेजाजी नगर टीआई देवेंद्र मरकाम ने बताया कि आग लगने की घटना पटेल मार्केट में हुई है। तीन दुकानें जली है। आग लगने की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि आग किस वजह से लगी है, ये स्पष्ट नहीं हो सका है मगर शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना है। इसकी जांच की जा रही है।

क्लिनिक, मेडिकल दुकान जली

डॉ. आशीष पिता हुकुमचंद राठौर ने बताया कि पटेल मार्केट में उनका संजीवनी नाम से क्लिनिक है। उनके क्लीनिक के पास में प्रशांत संते का प्रंजाल मेडिकल स्टोर और मनदीप राठौर का गणेश रेस्टोरेंट (एवरफ्रेश) के नाम से दुकान है। घटना करीब 11 बजे के आसपास की है। गणेश रेस्टोरेंट में अचानक आग लग गई। जिसके बाद उसने मेडिकल स्टोर और उनके क्लिनिक को भी चपेट में ले लिया। घटना के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हादसे में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन उनका और आसपास की दोनों दुकानों का भारी नुकसान हुआ है। संभवतः शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना हुई है। वहीं उनका कहना है कि फायर ब्रिगेड देर से आई।

ट्रैफिक पुलिस को आधुनिक सुरक्षा उपकरणों की ट्रेनिंग, कई का डेमो

संदिग्ध या अपराध में शामिल वाहनों को सुरक्षित ढंग से रोकना

इंदौर। विजयनगर चौराहा पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा मॉड्यूलर व्हीकल बैरियर, अरेस्टर और टायर किलर जैसे आधुनिक सुरक्षा उपकरणों का डेमो और प्रैक्टिकल अभ्यास आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को इन उपकरणों के सुरक्षित, तेज और प्रभावी इस्तेमाल की जानकारी दी गई।

मौके पर ही अलग-अलग परिस्थितियों में इनके उपयोग का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, ताकि जवान किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई कर सकें। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध या अपराध में शामिल वाहनों को सुरक्षित तरीके से रोकना, तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण पाना और चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। साथ ही आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने पर भी जोर दिया गया।

गति को नियंत्रित करेंगे

मॉड्यूलर व्हीकल बैरियर-अरेस्टर ऐसा उपकरण है, जिसे जरूरत के अनुसार तुरंत सड़क पर लगाया जा सकता है और यह वाहनों की गति को नियंत्रित कर उन्हें रोकने में मदद करता है। वहीं टायर किलर (स्पाइक बैरियर) का उपयोग उन वाहनों को रोकने के लिए किया जाता है, जो पुलिस के इशारे के बावजूद नहीं रुकते। यह उनके टायर को निष्क्रिय कर देता है, जिससे वाहन खुद रुक जाता है। इन उपकरणों का उपयोग पूरी सावधानी से किया जाए, ताकि लोगों की सुरक्षा बनी रहे। ऐसे नियमित प्रशिक्षण से पुलिस की कार्यक्षमता और आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया क्षमता और बेहतर होगी।

युवक का शव मिलने से सनसनी

इंदौर। मल्हारगंज थाना क्षेत्र से लापता हुए युवक का शव इच्छापुर हाईवे पर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अग्रसेन नगर एयरपोर्ट रोड निवासी अखिल सोनी के रूप में हुई। वह शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे घर से नाश्ता करने का कहकर निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने मोबाइल बंद मिलने और संपर्क नहीं होने पर मल्हारगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इस बीच बलवाड़ा क्षेत्र स्थित इच्छापुर हाईवे पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास पुलिया किनारे एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान अखिल के रूप में की। घटनास्थल पर युवक की बाइक और अन्य सामान संदिग्ध स्थिति में पाए गए हैं, जिससे मामला और उलझ गया है। प्रारंभिक जांच में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। शरीर पर चोट के निशान मिलने से दुर्घटना या अन्य आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

संपादकीय

नेपाल : सकारात्मक संकेत

नेपाल के नए और युवा प्रधानमंत्री बालेन शाह द्वारा प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के समय जिस तरह हिंदू और बौद्ध पद्धति से स्वस्ति वाचन हुआ और नई कैबिनेट ने पहली ही बैठक में जेन जी आंदोलन को कुचलने वाले पूर्व प्रधानमंत्री के.पी.ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार किया गया, वह भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। ओली कम्युनिस्ट हैं और चीन के घोर समर्थक हैं। उनका चीन की तरफ अत्यधिक झुकाव नेपाली जनता को कभी पसंद नहीं आया। लेकिन लगता है कि बालेन शाह या तो भारत और चीन के संतुलन की नीति पर चलेंगे या फिर उनका हल्का झुकाव भारत की तरफ रहेगा। इसका एक कारण यह भी है कि बालेन नेपाल के पहले ऐसे पीएम हैं, जो तराई वाले मधेश प्रांत से आते हैं। मधेश भारत और नेपाल के बीच तराई के प्रदेश को कहते हैं, यहाँ के ज्यादातर लोगों के भारत के साथ रोटी-बेटी के रिश्ते हैं। जिसे चीन समर्थक तत्वों ने अनावश्यक रूप से बिगाड़ने की कोशिश की। बहरहाल नेपाल में बालेन शाह सरकार अब पूरी तरह एक्शन में है। शाह की सरकार में सभी युवा चेहरे हैं, जो नया नेपाल बनाना चाहते हैं। पिछले साल देश के पुराने और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ जेन जी ने हिंसक आंदोलन कर सरकार गिरा दी थी। इस आंदोलन को दबाने के लिए सरकार ने भी दमन के सहारा लेने की कोशिश की थी। जिसकी जांच के आयोग ने की थी। हालांकि यह रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन बालेन सरकार ने उसी के अनुपालन में ये गिरफ्तारियां की हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार इन दोनों को 'जांच आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के मंत्रिपरिषद के फ़ैसले के अनुसार' गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि यह जांच रिपोर्ट गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले आयोग ने सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली पिछली सरकार को सौंपी थी। माना जा रहा है कि रिपोर्ट में तत्कालीन सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के उच्च पदस्थ अधिकारियों के खिलाफ़ विभिन्न कार्रवाइयों की सिफ़ारिश की गई थी। गिरफ्तारी के बाद ओली और लेखक के खिलाफ प्रक्रिया नियमों के अनुसार चलाई जाएगी। ओली को भक्तपुर से और लेखक को भक्तपुर के ही कटुंजे स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि इन दोनों के आदेश पर ही पुलिस और सेना ने आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाई थीं, जिसमें 77 लोग मारे गए थे और सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ था। हालांकि ओली ने इस जांच रिपोर्ट को पहले ही खारिज कर दिया था। उधर सीपीएन-यूएमएल नेता महेश बरतौला ने कहा है कि वे ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ़ 'कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने इसे राजनीतिक रूप से एक बेहद दुखद और बदले की कार्रवाई बताया है। इससे देश में अस्थिरता पैदा हो सकती है। जहां तक भारत का सम्बन्ध है तो पूर्व पीएम के.पी.शर्मा ओली के कार्यकाल में भारत नेपाल के रिश्तों में खटास आ गई थी। ओली साफ तौर पर चीन के इशारे पर काम कर रहे थे। यह बात नेपाली जनता को भी पसंद नहीं आया। दूसरे देश के गैर मधेशी नेतृत्व ने नए संविधान में तराई में रहने वाले मधेशियों के अधिकारों को अनदेखा करने की लगातार कोशिश की। इस रवैये पर भारत ने भी निजी बातचीत में चिंता जाहिर की थी। इस बीच ओली की गिरफ्तारी जिन आरोपों में की गई है, वो अगर कोर्ट में टिकते हैं तो नेपाली कानून के तहत उन्हें 15 साल की जेल भी हो सकती है। दूसरे, कई पुराने नेताओं के हाशिए पर जाने से नेपाल में कम्युनिस्ट आंदोलन कमजोर पड़ सकता है। ऐसे में चीन की भूमिका नई सरकार के प्रति क्या रहेगी, यह देखने की बात है।

हंसमुख होना और प्रसन्न करना ही श्रेष्ठ संस्कृति

नजरिया

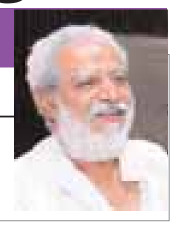

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

वैसे तो दुनिया इसकी रचना करने वाले की ही सर्वश्रेष्ठ कृति है। शायद दुनिया के आरंभ होने से ही किसी न किसी रूप में कला रही होगी। हालांकि इसके भौतिक प्रमाण पिछले कुछ हजार वर्षों के ही मिलते हैं जो विभिन्न रूपों में आदिम युग के जमाने से उस दौर के उपयोगी उपकरण या हथियार के रूप में मिलते हैं, जब इंसान पत्थर लाठी और बाद में किन्हीं धातुओं का उपयोग कर शिकार करता रहा होगा। बाद के काल में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ जीवन कलात्मक हुआ। इनमें मुख्यतः प्रकृति के चित्रण है। भारत के अनेक वन क्षेत्र या ग्रामों में घरों के ऊपर महिलाएं शेर का चित्र बनाती हैं इसका मतलब यही है कि व्यक्ति ने अपनी कलात्मकता का विकास अपने परिवेश के साथ किया है जहां तक उनकी भौगोलिक मानसिक पहुंच रही होगी वही तक उनकी कला पहुंची।

भारत में भक्ति काल में मंदिरों के ऊपर या पहाड़ों पर कलाकृतियों का निर्माण हुआ और लोगों ने उन्हें ईश्वर का प्रतीक माना। नवाबी दौर में जो कलात्मक चित्र आदि बनाए गए वे आमतौर पर नवाबों की जीवनशैली के पर्याय थे, जिनमें महफिल, संगीत गाने वाली महिलाएं आदि थे। एक समय आया जब राम, कृष्ण, गणेश, हनुमान आदि का चित्र बनना शुरू हुआ। द्वापर युग में, या कहें कि महाभारत काल में कृष्ण कथाओं व साहित्य के केंद्रीय बिंदु के रूप में प्रस्तुत हुए। उनकी प्रतिमाएं, मंदिर, चित्र बने। कथाओं के आधार पर साहित्य रचना व सृजन प्रारंभ हुआ। फिर उन्हीं कथाओं के आधार पर नृत्य भजन आदि शुरू हुए। राम के जीवन का चित्रण मूर्तियों, चित्रों व साहित्य में शुरू हुआ। शिव भारत के शायद सबसे व्यापक और मूल भगवान हैं जो भारतीय भूभाग के प्राचीन व्यक्तियों के सबसे स्वीकृत ईश्वर रूप हैं। कृष्ण का क्षेत्र उत्तर भारत, पूर्वोत्तर और गुजरात का इलाका है। राम का क्षेत्र उत्तर भारत के साथ मध्य का इलाका भी रहा। शिव का क्षेत्र हिमालय से लेकर दक्षिण के समुद्र तक सबसे व्यापक रहा है। कर्नाटक के इलाके में जो लिंगायत पंथ शुरू हुआ वह शिव के मानने वालों का ही था। वे शिवलिंग धारण करते हैं।

शिव की पत्नी पार्वती के सती होने के बाद शिव का तांडव शुरू हुआ। उसके बाद ही शायद देश में नारी के ईश्वरीय स्वरूप की पूजा शुरू हुई। जहां-जहां पार्वती के अंग गिरे वहां शक्ति-केंद्र बने। पश्चिम से लेकर पूर्व तक शक्ति के रूप में महिलाओं की पूजा का काल उसी के बाद शुरू हुआ। दुर्गा, काली आदि को शक्ति का स्रोत मानकर उनकी पूजा शुरू हुई।

भारत के इतिहास को अगर गहराई से देखें तो भारत में भी नस्लवादी संघर्ष रहा है। शंकर और पार्वती की शादी शायद पहली आर्य अनार्य की शादी थी। आर्यों ने उसे मन से स्वीकार नहीं किया। किंवदंतियों के अनुसार शिव को समारोह का निमंत्रण नहीं मिला था। उनके इनकार करने के बाद भी पार्वती गईं। वहां जब शिव के लिए अपमान जनक शब्द कहे गए तब उन्होंने आत्महत्या की। उसके बाद शिव का विद्रोह का तांडव हुआ। शिव की यह भी विशेषता है कि उन्होंने कभी भी संपत्ति या परिधान आदि को अपना लक्ष्य नहीं माना। उनकी वेशभूषा भारत के सामान्य या आदिजन जैसी है। वे अर्ध वस्त्रों में रहते हैं। अनेक जानवरों को अपने साथ रखते हैं, उनका वाहन नंदी है, उनके गले में सर्प है। शायद ये उस कालखंड की परिस्थितियां रही होंगी। सर्प इसका प्रतीक है कि इंसान व सर्प भी साथ-साथ सह जीवन में रह सकते हैं बस एक-दूसरे को चोट न पहुंचायें। शिव भारत में प्रकृति के साथ सहजीवन के प्रतीक हैं। हमारे देश के आदिम समाज ने शिव के प्रकृति प्रेम को अपने जीवन में उतारा।

कृष्ण राजा नहीं है परंतु आमजन के दिलों के राजा हैं। किवदंती के अनुसार उनका भी जन्म क्षत्रिय समाज में हुआ। वे राजा के बेटे थे, परंतु उनका पालन-पोषण पिछड़ी जाति के उस समय के पशुपालक यादव परिवार में हुआ था। उनके जीवन के घटनाक्रम वर्णन में पशुपालक जिंदगी के उनके समाज का मुख्य वर्णन है। महाभारत की लड़ाई संपत्ति की लड़ाई थी। रामायण की लड़ाई एक महिला के सम्मान की लड़ाई थी। ऐसे ही लड़ाई शिव की भी है। शिव ने अपनी पत्नी के सम्मान के लिए, राम ने पत्नी के सम्मान के लिए युद्ध किया। कृष्ण ने युद्ध में जीत हासिल की, परंतु राज दूसरों को दिया। केरल के राजपरिवार के लोग वर्मा उपनाम लिखते हैं। शायद वह कभी उत्तर भारत के रहे होंगे। इन्हें कृष्ण ने वहां का राज सौंपा था। इस राज परिवार की परंपरा रही है कि कृष्ण के नाम से ही राज करते हैं। कृष्ण के विभिन्न रूप हैं। उत्तर भारत के मथुरा के इलाके में एक नटखट बांसुरी वादक गाय चराने वाले के रूप में है। महाभारत के युद्ध में कृष्ण अर्जुन को गीता का उपदेश देने वाले उपदेशक हैं। मथुरा के झंझटों को छोडकर गुजरात के कच्छ में भाग कर आकर बसने के कारण रणछोड़ के रूप में पूजे गए। ऐसे अन्य कई रूपों में इनके मंदिर मिलते हैं।

देवियों की पूजा की परंपरा भी उत्तर से लेकर मध्य भारत में रही है। गुजरात में गरबा, उत्तर भारत में नवदुर्गा आदि में नाच प्रचलित है। दक्षिण के मंदिर में नारियों को देवदासी बनाकर रखने की परंपरा शुरू हुई। हालांकि यह आश्चर्यजनक है कि किसी मंदिर में बैठे ईश्वर किसी नारी को देवदासी रूप में क्या स्वीकार करेंगे? यह परंपरा कैसी है और क्यों शुरू हुई। यह भी खोज का विषय है। हालांकि दक्षिण के मंदिरों में नक्काशी और कला के सुंदर रूप मिलते हैं। दक्षिण के मंदिरों की नक्काशी मानवीय कला कौशल के उत्कृष्ट स्वरूप को प्रस्तुत करती है। विष्णु के वाहन के रूप में गरूण को चित्रित या उत्कीर्ण किया गया है। केरल के मंदिरों में हाथी भेंट करने की परंपरा रही। शायद हाथी उस अंचल के वनों में पाए जाते होंगे। शायद बंगाल के समुद्र तट तक हाथियों का आवागमन रहा होगा। देवियों के मंदिरों में आमतौर पर शेर बनाए जाते हैं, जो शक्ति का प्रतीक है। शंकर का वाहन नंदी या बैल है। इससे लगता है कि शिव कृषि पूर्व काल के देवता हैं। राम ,कृष्ण बाद के काल के देवता हैं। इंसान ने सदैव अपने आप को अभिव्यक्त करने के लिए अपने आत्मिक मानसिक जरूरत को पूरा करने के लिए कला साहित्य का सृजन किया और सहारा भी लिया। बाद में कलाओं के भिन्न-भिन्न प्रकार के रूप सामने आए, पाषाण काल चित्रकला आदि। कलाओं का जिक्र व्यक्ति के गुण के लिए भी हुआ। 64 कलाएं मानी गईं। उस दौर में समाज ने व्यक्ति के गुणों को ही कला में शामिल किया। प्रश्न उठता है कि कला है क्या? कला की परिभाषा क्या हो। मैं कला के क्षेत्र का न कोई जानकार या ज्ञाता हूं, न अध्येता। परंतु मुझे लगता है कि भारत में कला शब्द दो शब्दों से मिलकर बना कल और अनिवार्यता। मानव के लिए कल की अनिवार्यता। इंसान के जीवन में जन्म के बाद ही कला की आवश्यकता शुरू हो जाती है। भविष्य की आवश्यकता भी। बच्चों का जन्म होने के बाद उसे झुनझुना पकड़ाया जाता है, जिससे वह खेलता है। पहले पालने में घंटियां लटकाई जाती थीं। तत्कालीन संस्कृति के तौर तरीके जो उस समय के समाज के रहे होंगे कला उसका चित्रण करती है। पर क्या उसे संस्कृति माना जाए?

संस्कृति के बारे में विभिन्न प्रकार के मत हैं। कुछ लोग परंपरा को ही संस्कृति मानते हैं। अभी ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है। कुछ लोग अतीत को संस्कृति मानते हैं। पाश्चात्य लोगों के लिए संस्कृति उनके तौर तरीकों का पर्याय रही है। कल्ट शब्दों से कल्चर शब्द आया होगा। परंतु इसका हिंदी अनुवाद एकदम समरूप नहीं लगता। भारत में संस्कृति को एक भिन्न रूप में देखा जाता है। रामधारी सिंह दिनकर ने संस्कृति के चार अध्याय में संस्कृति को विभिन्न धर्मों पंथों के रूप में देखा और वर्णित किया।

मैं समझता हूं कि धर्म या परंपरा संस्कृति नहीं है। संस्कृति का अर्थ है अतीत के अनुभव जो व्यापक समाज के लिए सत्य और आदर्श हों। युद्ध भले जीते जाएं, उन्हें मैं संस्कृति नहीं मानता। युद्ध संस्कृति कैसे हो सकते हैं। युद्ध एक अमानवीय व असांस्कृतिक प्रक्रिया है। संस्कृति और सभ्यता दोनों काफी नजदीक हैं। सभ्यता संस्कृति के द्वारा व्यक्त व अपनाए गए जीवन मूल्यों द्वारा वर्तमान समाज में सुधार की प्रक्रिया है। संस्कृति बीज है, सभ्यता उसका फल। इतिहास की घटनाओं के विश्लेषण कई प्रकार के हो सकते हैं, पर संस्कृति केवल अच्छाइयों को माना जाना चाहिए। संस्कृति का एक भाव समता मूलक कार्यों से समाज को बराबर बनाना है। ईश्वर के द्वारा निर्मित भौतिक और भावात्मक आधार संस्कृति है। पूजा पाठ की परंपराएं संस्कृति नहीं। संस्कृति तो समता के लक्ष्य को हासिल करना है। अनुभव सिद्ध जीवन मूल्य संस्कृति हैं जिसमें समान जीवन है। अवसर और कार्य समान हैं।

कलाएं व्यक्ति को न केवल इतिहास में ले जाती हैं बल्कि उसकी मानवता को उभारती हैं। जीत संस्कृति नहीं बल्कि युद्ध से विरत होना मानवीय संस्कृति है। कला और साहित्य दोनों जुड़वा बहनें हैं। एक उकेरी या चित्रित की जाती है, दूसरी शब्दों में वर्णित या लिखी जाती है। दोनों संस्कृति के मूल आधार है। जिनका लक्ष्य व्यक्ति को मानव बनाना है। समझ ज्ञान को विकसित कर उसे जीवन के तनावों और दृश्य, अदृश्य, चिंताओं से मुक्त कर, स्वतंत्र और संतुष्ट, खुश और हंसमुख बनाना है। खुश और हंसमुख में फर्क होता है। खुश व्यक्ति अकेले होता है, हंसमुख व्यक्ति हंसता भी है और दुनिया को हंसाता भी है। संस्कृति के इस रूप की खोज व प्रयोग अभी भी मानव में बकाया है।

कुछ लोग यह मानते हैं कि धर्म ग्रंथ संस्कृति हैं। मैं इस राय से इत्तेफाक नहीं रखता। मेरी राय में धर्मग्रंथों में कुछ दार्शनिक व कुछ जीवन के सिद्धांत या मूल्य होते हैं जो मानवता पर आधारित होते हैं। कुछ मार्गदर्शक सिद्धांत उनमें होते हैं। परंतु धर्मग्रंथों में सभी शब्द या पूरा का पूरा कई बार अनुकरण करने के लिए समसामयिक नहीं होता। समय के अनुसार समाज में परिवर्तन होते रहते हैं। उसमें कई बार जीवन पद्धति या तत्कालीन समाज के सिद्धांत बदल जाते हैं। आज देश में लोकतंत्र है। लोकतंत्र में दंड देने के लिए न्यायपालिका अधिकृत है। अगर कोई व्यक्ति न्यायिक शक्ति के अलावा व्यक्ति के अपने स्तर पर दंड देता है भले ही कितना भी सही हो तो वह अपराध की श्रेणी में होता है। भगवान राम ने जब बाली को मारा, बाली ने उनसे मारने का कारण पूछा। श्रीराम ने उत्तर दिया अनुज वधु भगिनी सुतनारी सुनु सठ यह कन्या सम चारी। इनहिं कुदृष्टि बीलोकहि जोई तासु बधै कछु पाप न होई।

आज अगर भारत में इन अपराधों को लेकर कोई किसी की हत्या कर दे तो यह दंडनीय अपराध है। राजतंत्र में दंड देने की शक्ति या सिद्धांत अलग थे, लोकतंत्र में अलग हैं। इसी प्रकार कुरान, बाइबल या अन्य धर्म ग्रंथों के भी कुछ ऐसी बातें हैं जो मुझे गैरजरूरी लगती हैं। हालांकि इन्हें मानने न मानने के निर्णय के लिए किसी सरकार को उपयुक्त नहीं मानता। बल्कि उसी धर्म के धर्मावलंबियों के विवेक और प्रबुद्ध समाज पर छोड़ता हूं कि वह स्वयं आगे आकर निर्णय करें। अगर वे यह करेंगे तो धर्म के बारे में लोगों की समझ और अधिक विकसित और अनुकूल होगी। डॉ. लोहिया कहते थे कि धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने के लिए नीर-क्षीर विवेक होना चाहिए। हमारे यहां कहावत है-साधू ऐसा चाहिए जैसा सूप सुभाय। सार सार को गहि रहै थोथा देई उड़ाय। यही सिद्धांत धर्मग्रंथों पर भी अमल में लाया जाना चाहिए।

इजरायल-ईरान संघर्ष : भारत की नीति कितनी प्रभावी

राजीव खंडेलवाल

कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास

मध्य-पूर्व एक बार फिर वैश्विक अस्थिरता के केंद्र में है। जब ओमान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम पर चल रही बातचीत निर्णायक चरण में पहुँचती दिख रही थी, तभी अचानक 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई ने पूरे समीकरण को ही बदल दिया। इसे 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' कहा गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उक्त ऑपरेशन का उद्देश्य ईरान के परमाणु मिसाइल कार्यक्रम को निष्क्रिय करना, क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करना तथा तथाकथित 'प्रतिरोध नेटवर्क' को कमजोर करना बताया। मीडिया में दावा किया गया कि यह सैन्य कार्रवाई अमेरिका ने ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर जो ट्रंप प्रशासन में विशेष शांति दूत की भूमिका में है, विदेश मंत्री व रक्षा मंत्री की सलाह पर इजरायल के कहने से की गई।

परन्तु लगभग 28 दिनों के संघर्ष के बाद भी ''कोई भी लक्ष्य'' की स्पष्ट प्राप्ति नहीं हो सकी है। उलटे अमेरिका द्वारा 'अनावश्यक लादे गए' इस युद्ध ने विश्व को एक ऐसे संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है, जहाँ से निकलने का मार्ग अभी धुंधला दिखाई देता है।

इस युद्ध की एक विशेषता यह रही कि ईरान ने 'प्रत्यक्ष आक्रामकता' के बजाय रक्षात्मक प्रतिरोध का उद्देश्य सामने रखकर 'प्रतिक्रियात्मक रणनीति अपनाई। ईरान ने पहले हमला करने से परहेज कर उसी अनुपात में प्रत्युत्तर देने की नीति अपनाई। इस सैन्य संघर्ष का प्रभाव केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित न रहकर वैश्विक स्तर पर होकर फैल रहा है। कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव, होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात में बाधा, वैश्विक महंगाई में संभावित वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थिरता, भारत सहित अधिकांश देश इस प्रभाव व दुष्परिणाम से अछूते नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संसद में स्वीकारा कि 'यह संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है।' भारत के अमेरिका, इजरायल, और ईरान तीनों से ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण व अच्छे सम्बन्ध रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रेसीडेंट ट्रंप से बेहद व्यक्तिगत संबंध स्थापित हुए हैं। पीएम मोदी जब पहली बार ईरान गये थे, तब उन्होंने यह कहा था कि दोनों देशों की दोस्ती'इतिहास जितनी पुरानी' हैं। भारत के व्यापारिक फायदे के लिए चाबहार बंदरगाह विकास, व्यापार-परिवहन ट्रांजिट समझौते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार ''डायलॉग और डिप्लोमेसी'' से शांति की कूटनीति अपनाने की अपील की है। यद्यपि इसके पीछे शायद उनकी सोच वहां रह रहे एक करोड़ से अधिक भारतीयों की सुरक्षा व ऊर्जा आपूर्ति रही है। शायद इसीलिए अमेरिका के ईरान पर किए हमले की प्रधानमंत्री ने'आलोचना नहीं की। उनका यह कथन कि भारत ने फैसले लेने का ''सामर्थ्य'' दिखाया है, स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि वह तथ्यों के विपरीत है। वस्तुतः भारत की विदेश नीति में परंपरागत रूप से 'रणनीतिक स्वायत्तता'' पर आधारित रही है। परन्तु वर्तमान में इसका अभाव सा दिखता है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता पवन खेड़ा का पत्रकार वार्ता में भारत के चुने हुए लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना ''साहब बीबी और गुलाम'' पोस्टर का इस्तेमाल कर उन्हें ''गुलाम'' कहना भी बेहद शर्मनाक है। इसे किसी भी रूप में कदापि स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वर्ष 2025 में ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी के ट्रंप के दबाव में आने के बाद भारत की विदेश नीति की ''दिशा'' बदलने से वह भारतीय हितों को प्रभावी रूप से ''साध'' नहीं पा रही है। यह किस दबाव में, अलग विषय है। लेकिन ट्रंप भारत को हर ''टर्म डिक्टेट'' कर रहे हैं। उन्होंने भारत की संप्रभुता, सार्वभौमिकता पर आक्रमण कर 'अपमानित' करने की लगातार कोशिश की है। इससे हमारी एक सार्वभौमिक मजबूत राष्ट्र की छाप पर बड़ा धक्का लगा है। सबसे बड़ी भूल जो भारत की ओर से हुई, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई पर प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री द्वारा शोक व्यक्त न करना, जबकि पाकिस्तान ने किया।

2. लगभग 168 स्कूली बच्चों के अमेरिका-इजरायल द्वारा मौत के घाट उतारे जाने पर भारत द्वारा कोई आलोचना न करना भी खेद जनक है। भारत ने मात्र गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

3. भारत को रूस से सस्ते दरों पर तेल मिल रहा था। लेकिन अमेरिका के दबाव के चलते शनैः शनैः क्रय बंद करना पडा। हमारे रूस व ईरान से सौहार्द संबंधों को भी नुकसान पहुंचा। 4. 'अमेरिका की दोस्ती अच्छी नहीं, दुश्मनी तो और भी खराब।''पहले भी वर्ष 1971 के बांग्लादेश युद्ध में हमने देखा, अमेरिका ने पाकिस्तान की सहायता के लिए सातवां बेड़ा भेजा था।

5. यद्यपि नरेन्द्र मोदी ईरान के राष्ट्रपति से बार बार बातचीत कर संबंधों को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं, जिसका अभी यह सुखद परिणाम आया है कि ईरान ने जिन पांच देशों को होर्मुज समुद्री में ''निर्बाध'' रास्ता दिया है जिसमें भारत भी शामिल है। 6. ईरान के संवैधानिक मान्यता प्राप्त पद सर्वोच्च नेता ''अली खामेनेई'' जो सिर्फ ईरान के ही नहीं बल्कि शिया संप्रदाय के विश्व के सर्वोच्च धार्मिक नेता हैं, की हत्या की भर्त्सना किए बिना, उन्हे श्रद्धांजलि दिये बिना, ईरान के ''घाव'' शायद ही भरें। ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध में भारत की ओर से दो सबसे महत्वपूर्ण त्रुटियां हुई लगती हैं। प्रथम युद्ध की आशंकाओं के चलते सैन्य आक्रमण प्रारंभ होने के 48 घंटे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दौरा भी सवालिया निशान साबित हो रहा है। आखिर हमारी खुफिया एजेंसीज इस स्थिति का आकलन करने में क्या असफल रही थीं? आज आवश्यकता है, एक ऐसी संतुलित, साहसिक और स्पष्ट नीति की, जो न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे, बल्कि वैश्विक शांति में भी भारत की प्रमुख, महत्वपूर्ण रचनात्मक भूमिका हो। दुर्भाग्यवश यह भूमिका पाकिस्तान के हाथों में जा रही है जो हमारी विदेश नीति पर एक प्रश्नचिन्ह है।

ट्रंप का नया पैंतरा : अराघाची व गालिबफ को 'अभयदान'

ईरान बनाम अमेरिका

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इस्रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उकसावे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी खब्त में आकर मध्यपूर्व में जंग के शिकंजे में अपने पाँव बुरी तरह फँसा लिये हैं। संप्रति अमेरिका की हालत 'निगलत-उगलत पीर घनेरी' मार्का हो गयी है। 28 मार्च को युद्ध छिड़े पूरा एक माह बीत गया, लेकिन उसका एक भी इरादा पूरा होना तो दूर रहा, उलटे उसकी भद्द पिटने का दौर जारी है। साँप-छछूंदर गति के वशीभूत लगातार रंग बदलते ट्रंप ने ईरान के दो शीर्ष नेताओं-विदेश मंत्री अराघाची और स्पीकर गालिबफ को अभयदान देने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि ये दोनों नेता अब इस्रायल की 'हिटलिस्ट' में नहीं है और इस्रायल खामेनेई और लारीजानी की भांति उन्हें मारने के लिये एयर स्ट्राइक नहीं करेगा। मजेदार बात यह है कि उन्होंने यह कदम अमेरिका और ईरान के मध्य मध्यस्थता कर रहे आतंकवादी राष्ट्र पाकिस्तान के फौजी शासक असीम मुनीर की गुजारिश पर उठाया है। मुनीर का तर्क है कि यदि उक्त दोनों शीर्ष ईरानी नेता जीवित नहीं रहे, तो अमेरिका वार्ता किससे करेगा? गौरलतब अयातुल्लाह खामेनेई के उत्तराधिकारी मोज्तबा खामेनेई को आहत अवस्था में तेहरान से निकालने में रूस सफल रहा है और उनका इन दिनों मस्क्वा में उपचार हो रहा है। अमेरिका के लिए परेशानी का एक और सबब यह भी है कि वह ईरान में इस्लामी हुकूमत को अपदस्थ कर अपनी कठपुतली सरकार बिठाने में विफल रहा है। उलटे इस्लामी हुकूमत के पीछे अवाम के एकजुट होने से उसके पाये और मजबूत हुये हैं। यह भी साफ हो गया है कि आर्यमेहर रजा शाह पहलवी के बेटे को निर्वासन से वापसी और राज्याभिषेक में ईरानी अवाम की कोई रूचि नहीं है।

अराघाची और गालिबफ को अभयदान को राष्ट्पति ट्रंप के नये पैंतरे के तौर पर देखा जा रहा है। इसके जरिये वह अपनी जंगजू इमेज को 'सदाशयी मोड' में लाना चाहते हैं तथा बरसों से पाबंदियों और जंग-दर-जंग झेल रहे ईरान में अपेक्षाकृत लिबरल लॉबी खड़ी करना चाहते हैं। पिछ्ले एक माह में उनके नुकसानों की फेहरिश्त लंबी है। उन्हें उम्मीद थी कि ईरान-प्रसंग एक हफ्ते में निपट जायेगा। लेकिन यह उनकी खामख्याली साबित हुई। ईरान ने खूब मोर्चा लड़ाया। उसने प्रत्यक्रमण कर कतर, दुबई, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ओमान में तो कहर बरपाया ही, सुदूर डियागोगार्सिया तक मिसाइलें दाग कर इस्रायल-अमेरिका धुरीको चौंका दिया। ईरान की कार्रवाई से एक तो उक्त देशों का अमेरिका के सुरक्षा कवच पर भरोसा टूटा। दूसरे, इस्रायल के 'आयरन डोम' का मिथ भी खंडित हो गया। एक और बड़ी बात यह हुई कि अमेरिका-पोषित नाटो में दरारें पड़ गयीं और इटली-स्पेन जैसे राष्ट्रों ने सहयोग के नाम पर हाथ खड़े कर दिये। नतीजतन खीझ में आकर ट्रंप ने नाटो-राष्ट्रों को 'कायर' की संज्ञा दे डाली। ट्रंप को एक और निजी मलाल यह है क गालिबफ ने उनके दामाद किश्नर और विटकोफ से वार्ता से इंकार कर दिया और जेडी वांस से बातचीत की इच्छा व्यक्त की।

घड़ी की सुइयां तेजी से घूम रही हैं। दुनिया अभूतपूर्व ऊर्जा और ईंधन संकट की ओर बढ़ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के कब्जे और निगरानी में है। ईरान वहां फौरी कार्रवाई कर वैश्विक संचार प्रणाली को तहस-नहस कर सकता है। खर्ग द्वीप पर अमेरिकी कार्रवाई यकीनन जबर्दस्त जवाबी कार्रवाई को न्यौता देगी। अगर्चे अमेरिका ने वहां मैरीनार और जमीनी टुकड़ियां भेजीं तो जंग बेमियादी दौर में पहुंच जायेगी और अमेरिका को वियेतनाम और अफगानिस्तान जैसी विषम और प्रतिकूल परिस्थितियों से दो-चार होना पड़ेगा। सुलह के लिये अनाक्रमण संधि और हर्जाने पर अड़े ईरान ने यदि छंकाने के लिये हमस हिजबुल्लाह और हूती जैसे संगठनों को छू कर दिया तो इस्रायल के लिये मोर्चा संभालना मुश्किल होगा। इस्रायल के रक्षा मंत्री यूं भी सेना में मानव संसाधनों की कमी का रोना रोते देखे गये हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

खुश रहना और खुश दिखना दो अलहदा चीज़ें

अतुल चतुर्वेदी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

खुश रहने की कोई एक वजह नहीं होती। कोई कैसे भी, कभी भी, कहीं भी खुश रह सकता है। मसलन आपको दुकानदार ने मोल तोल कर कोई सामान सस्ते में दे दिया आप उस पर भी खुश हो सकते हैं, आप महज़ इसी बात पर खुश हो सकते हैं कि आपके पड़ोसी को वो केवल 19 प्रतिशत टैक्स दे रहा था जबकि आपको वो वही वस्तुएं 18 टैक्स लगा कर दे रहा है। आप इस उपलब्धि पर लहालोट हो सकते हैं और बल्लियों उछल भी सकते हैं और चाहें तो एक भव्य समारोह करवा कर सार्वजनिक अभिनंदन भी करवा सकते हैं। खुश रहना और खुश दिखना दो अलहदा चीज़ें हैं । कई बार व्यक्ति वास्तव में खुश होता है और ऐसी सच्ची खुशी की महक उसकी देह भाषा और भावों के उद्रेक से छलक पड़ती है लेकिन कई बार व्यक्ति को खुश दिखने का अभिनय करना पड़ता है। दूसरों के लिए मुस्कुराना पड़ता है, पार्टी या दल के लिए संदेश देने को खींसे निपोरने पड़ते हैं विरोधियों को संदेश दे कर जबरिया मुस्कुराहट बिखेरनी पड़ती है ताकि यह न समझ ले कोई कि कुछ गड़बड़ है अंदर खाने। यह मुस्कुराहट ओढ़ी हुई मुस्कुराहट होती है। ओढ़ी हुई चदरिया की तरह। इसे ज्यों का त्यों रख देना मुश्किल होता है। क्योंकि नक़ली मुस्कुराहट की चदरिया पर लोकतंत्र के घाट पर कुछ तो दाग लगते ही हैं।

वैसे चिकित्सा विशेषज्ञ कहते हैं कि खुश रहने से डोपामाइन का लेवल बढ़ता है, भूख अच्छी लगती है, टेंशन कम होती है और नींद अच्छी आती है । तो हाजमा तो दुरुस्त हो ही रहा है जनाब का। कैसा भी आरोप प्रत्यारोप हो सब बिना डकार हज़म कर रहे हैं कई सालों से। टेंशन देने का काम है लेने का नहीं। टेंशन देने को हैं ही तमाम कारिंदे और एजेंसियां। पीछे छोड़ने की देर है बस। वो पहले भी खुश थे, आज भी खुश हैं। जब शो रूम के व्यापारी ने 25 प्रतिशत टैक्स लगाकर माल बेचा था वो भी उपलब्धि थी और अब भी उपलब्धि है। तब भी तालियाँ बजी थी और अब गले में हार डाल अभिनंदन हो गया। चारणजन चैनलों पर आरती गायन में लगे हैं। अहो, अहो की ध्वनि से वातावरण गुंजायमान है और दुकानदार से हुए सौदे को महान विजय कह कर महिमामंडित किया जा रहा है।

आपसे पहले ही कहा था कि खुशी नजरिये की चीज़ है। खुशी कई बार स्थिति सापेक्ष भी होती है। आपका दृष्टिकोण स्वस्थ होना चाहिए, विचार उदार होने चाहिए। आप नकारात्मक हालात में भी खुशी ढूँढ सकते हैं और वो यही कर रहे हैं। बड़े लोगों की छोटी सी कृपा ही जीवन तार देती है । क्या हुआ इसके लिए कुछ घुटने टेकने पड़े तो , कुछ शर्तें माननी पड़ी तो। शास्त्रों में कहा गया है कि अपने से ताकतवर को थोड़ा झुक कर ही जीत सकते हो और वे इसी परंपरा का पालन कर रहे हैं। उन्होंने अपनी खुशी ढूँढ ली है, आप भी ढूँढ लें। खुशी आजकल मिलती नहीं, महसूस करनी पड़ती है। उनके साथ आप भी महसूस करिए न ज्थोड़ा कसमसाकर ही सही ज्देश के खातिर ही सही।

खुश रहने की कोई एक वजह नहीं होती। कोई कैसे भी, कभी भी, कहीं भी खुश रह सकता है। मसलन आपको दुकानदार ने मोल तोल कर कोई सामान सस्ते में दे दिया आप उस पर भी खुश हो सकते हैं, आप महज़ इसी बात पर खुश हो सकते हैं कि आपके पड़ोसी को वो केवल 19 प्रतिशत टैक्स दे रहा था जबकि आपको वो वही वस्तुएं 18 टैक्स लगा कर दे रहा है। आप इस उपलब्धि पर लहालोट हो सकते हैं और बल्लियों उछल भी सकते हैं और चाहें तो एक भव्य समारोह करवा कर सार्वजनिक अभिनंदन भी करवा सकते हैं।

खुश रहना और खुश दिखना दो अलहदा चीज़ें हैं। कई बार व्यक्ति वास्तव में खुश होता है और ऐसी सच्ची खुशी की महक उसकी देह भाषा और भावों के उद्रेक से छलक पड़ती है लेकिन कई बार व्यक्ति को खुश दिखने का अभिनय करना पड़ता है। दूसरों के लिए मुस्कुराना पड़ता है, पार्टी या दल के लिए संदेश देने को खींसे निपोरने पड़ते हैं विरोधियों को संदेश दे कर जबरिया मुस्कुराहट बिखेरनी पड़ती है ताकि यह न समझ ले कोई कि कुछ गड़बड़ है अंदर खाने। यह मुस्कुराहट ओढ़ी हुई मुस्कुराहट होती है। ओढ़ी हुई चदरिया की तरह। इसे ज्यों का त्यों रख देना मुश्किल होता है। क्योंकि नक़ली मुस्कुराहट की चदरिया पर लोकतंत्र के घाट पर कुछ तो दाग लगते ही हैं।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

उच्च न्यायालयों के पास साक्ष्य मूल्यांकन का सीमित अधिकार

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने ठहराया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग बहुत ही कम मामलों में और केवल तभी किया जाना चाहिए, जब शिकायत में रिकॉर्ड के आधार पर कोई अपराध सामने न आता हो। मौजूदा मामले में आरोप पहली नजर में मानहानि के तत्वों को पूरा करते हैं। न्यायालय के समक्ष प्रश्न था कि क्या आवेदक वैधानिक अपवादों का लाभ पाने का हकदार है? यह ट्रायल के दौरान सबूत पेश किए जाने पर तय किया जाने वाला मामला है।

नगरपालिका चुनाव में आवेदक और विपक्षी क्रमांक 1 दोनों ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़े। हालांकि, दोनों ही चुनाव हार गए। आरोप लगाया गया कि आवेदक ने 18 सितंबर, 2012 को पुलिस अधीक्षक को एक लिखित शिकायत भेजी। इसमें आरोप लगाया गया था कि विपक्षी क्रमांक 1 और 2 ने जाली और झूठे दस्तावेज बनाकर चुनाव चिन्ह 'साइकिल' हासिल किया और एक स्थानीय अखबार में खबर छपवाई। इस तरह उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता के तहत धोखाधड़ी धारा 420, कीमती प्रतिभूति, वसीयत आदि की जालसाजी धारा 467 के तहत धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी धारा 468 और जाली दस्तावेज को असली के तौर पर इस्तेमाल करने धारा 471 जैसे अपराध किए। आवेदक ने सक्षम न्यायालय के समक्ष एक निजी शिकायत दायर की, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। इसके बाद विपक्षी क्रमांक 1 और 2 ने एक शिकायत दायर की। इसमें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 182 (झूठी जानकारी), धारा 211 (अपराध के झूठे आरोप) और धारा 500 (मानहानि) से संबंधित अपराध कृत्य किए जाने का आरोप लगाया गया। हालांकि, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने केवल मानहानि के अपराध का संज्ञान लिया। उक्त आदेश के खिलाफ आवेदक द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी गई।

इस मामले में विचार करते हुए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने यह ठहराया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग बहुत ही कम मामलों में और केवल तभी किया जाना चाहिए, जब शिकायत में रिकॉर्ड के आधार पर कोई अपराध सामने न आता हो। मौजूदा मामले में आरोप पहली नजर में मानहानि के तत्वों को पूरा करते हैं। न्यायालय के समक्ष प्रश्न था कि क्या आवेदक वैधानिक अपवादों का लाभ पाने का हकदार है? यह ट्रायल के दौरान सबूत पेश किए जाने पर तय किया जाने वाला मामला है। इस मामले में आवेदक एक वकील थे। उन्होंने सेशन जज द्वारा पारित उस आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की, जिसमें अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के उस आदेश की पुष्टि की गई, जिसके तहत आवेदक के खिलाफ मानहानि के आरोपों का दंड संहिता की धारा के तहत संज्ञान लिया गया था। आवेदक शहडोल के जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। विपक्षी क्रमांक 1 भी एक वकील थे और विपक्षी क्रमांक 2 समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष थे।

आवेदक के वकील ने दलील दी कि निचली अदालत और पुनरीक्षण न्यायालय दोनों ने कानून के मामले में गलती की, क्योंकि उन्होंने आवेदक द्वारा विशेष रूप से उठाए गए मुद्दे पर कोई फैसला नहीं दिया। विपक्षीगणों के वकील ने दलील दी कि चुनाव हारने के बाद आवेदक ने झूठे और अपमानजनक आरोप लगाए। विपक्षीगणों ने कहा कि नामांकन की जांच के दौरान कोई आपत्ति नहीं उठाई गई। न्यायालय ने गौर किया कि आवेदक ने विपक्षीगणों के खिलाफ लिखित आरोप लगाए, जिनमें जालसाजी और आपराधिक साजिश का आरोप था। पुलिस में भी एक शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद एक निजी शिकायत दायर की गई। आरोप एक स्थानीय अखबार में प्रकाशित किए गए और बाद में शिकायत वापस ले ली गई। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी ने कहा कि किसी भी अपवाद की प्रयोज्यता साबित करने का बोझ आरोपी पर होता है। इस तरह के निर्धारण के लिए सबूतों की जांच-परख की आवश्यकता होती है। यह दलील दी गई कि आरोप भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के पहले और तीसरे अपवादों के तहत सुरक्षित हैं। मजिस्ट्रेट के सामने रखे गए तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि प्रतिवादियों के खिलाफ जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए और उन्हें इन आरोपों की जानकारी दी गई। इसमें अखबार में प्रकाशन भी शामिल है। न्यायालय ने गौर किया कि आरोप प्रथम दृष्टया मानहानि के तत्वों को पूरा करते हैं। इसलिए इस मामले में किसी भी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं थी। तदनुसार, याचिका खारिज कर दी गई।

हमें यह देखना चाहिए कि आपराधिक प्रकरण का उच्च न्यायालय द्वारा निरीक्षण करने के प्रावधान क्या है? धारा 482 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत उच्च न्यायालय किसी भी आपराधिक प्रकरण को अपास्त कर सकता है। इस मामले में सबसे चर्चित मामला भजनलाल विरूद्ध हरियाणा प्रदेश है। प्रमुख राजनीतिक व्यक्तित्व चौधरी भजनलाल, जिन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दोनों पदों पर कार्य किया था, भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोपित किये गए थे। इसमें उन पर आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। एक सरकारी अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई यह शिकायत मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा पुलिस महानिदेशक को भेजी गई, जिन्होंने पुलिस अधीक्षक को प्रारंभिक जांच करने का निर्देश दिया। इस निर्देश के बाद, स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) ने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 161 और 165 के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 5(2) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की।

भजनलाल ने उच्च न्यायालय में एफआईआर को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित, निराधार थे और इनमें कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता था। उच्च

न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार कर एफआईआर रद्द कर दी, यह देखते हुए कि शिकायत में आपराधिक जांच को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। इस फैसले से असंतुष्ट हरियाणा राज्य ने जांच बहाल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। न्यायालय ने कहा कि एफआईआर कोई संपूर्ण दस्तावेज नहीं है। इसका उद्देश्य आपराधिक कानून को क्रियान्वित करना है। इसका प्राथमिक उद्देश्य पुलिस को संज्ञेय अपराध के घटित होने की सूचना देना है ताकि जांच शुरू की जा सके। इसलिए, एफआईआर दर्ज करने की न्यूनतम आवश्यकता कम है। एकमात्र शर्त यह है कि सूचना में प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध का खुलासा होना चाहिए। न्यायालय ने चेतावनी दी कि यदि न्यायालय बिना जांच किए प्रारंभिक रूप से एफआईआर को रद्द कर देते हैं, तो इससे वास्तविक अभियोजन बाधित होंगे।

इस प्रकरण में एक प्रमुख मुद्दा यह था कि क्या उच्च न्यायालय ने किसी सार्थक जांच से पहले एफआईआर को रद्द करके गलती की थी ? सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इतने प्रारंभिक चरण में हस्तक्षेप अत्यंत असाधारण है। इसका प्रयोग केवल दुर्लभतम मामलों में ही किया जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालयों को निचली अदालतों की तरह साक्ष्यों का मूल्यांकन नहीं करना चाहिए। यह भी तय नहीं करना चाहिए कि मामले का अंतिम परिणाम दोषसिद्धि होगा या नहीं। भजनलाल ने तर्क दिया कि एफआईआर राजनीतिक रूप से प्रेरित थी, जो भ्रष्टाचार के आरोपी सार्वजनिक हस्तियों द्वारा दिया जाने वाला एक आम बचाव है। न्यायालय ने स्वीकार किया कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण आपराधिक कानून का दुरुपयोग हो सकता है। इसके प्रति न्यायालयों को सतर्क रहना चाहिए। हालांकि, न्यायालय ने फैसला सुनाया कि केवल दुर्भावना के आरोपों के आधार पर एफआईआर को रद्द करना उचित नहीं है यदि शिकायत में संज्ञेय अपराध का खुलासा होता है। न्यायालय ने कहा कि एफआईआर के पीछे का मकसद तभी प्रासंगिक होता है जब जांच और साक्ष्य के माध्यम से तथ्य स्थापित हो जाते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने एफआईआर रद्द करने में गलती की है। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि शिकायत में संज्ञेय अपराधों का खुलासा हुआ है और जांच कानून के अनुसार आगे बढ़नी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने इस संबंध में विशिष्ट दिशा-निर्देश भी निर्धारित किए हैं कि उच्च न्यायालय कब आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने के लिए धारा 482 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग कर सकता है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शक्तियों का प्रयोग वहां किया जा सकता है, जहां आरोप किसी अपराध का गठन नहीं करते या आरोपी के खिलाफ मामला नहीं बनाते। वहां भी कर सकते हैं जहां एफआईआर और अन्य सामग्रियों में लगाए गए आरोप, यदि उन्हें प्रथम दृष्टिया भी लिया जाए और उनकी संपूर्णता में स्वीकार किया जाए, तो प्रथम दृष्टया अपराध का गठन नहीं करते हैं या आरोपी के खिलाफ मामला नहीं बनाते हैं।

साथ ही जहां आरोप किसी अपराध का गठन करते हैं, लेकिन उन्हें साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है, वहां भी किया जा सकता है। साथ ही जहां एफआईआर में अपराध का खुलासा नहीं होता है, लेकिन आरोप, यदि सच मान लिए जाएं, तो आपराधिक पहलुओं वाला एक दीवानी विवाद बनता है। वहां भी कर सकते हैं, जहां आरोप किसी वाणिज्यिक लेनदेन या वैवाहिक विवाद से संबंधित हैं और मूल रूप से दीवानी प्रकृति के हैं, जिसमें आपराधिक दायित्व की बहुत कम संभावना है। इसके साथ ही जहां दंड प्रक्रिया संहिता या संबंधित कानून में कार्यवाही शुरू करने या जारी रखने पर स्पष्ट कानूनी रोक है (उदाहरण के लिए, जहां आवश्यक मंजूरी का अभाव है)। साथ ही जहां आपराधिक कार्यवाही स्पष्ट रूप से दुर्भावना (द्वेष) से प्रेरित हो और/या जहां कार्यवाही आरोपी पर प्रतिशोध लेने और निजी और व्यक्तिगत द्वेष के कारण उसे परेशान करने के गुप्त उद्देश्य से दुर्भावनापूर्ण ढंग से शुरू की गई हो।

हरियाणा राज्य बनाम भजनलाल का मामला एक ऐतिहासिक फैसला है। इसका हवाला सर्वोच्च न्यायालय अक्सर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत एफआईआर को रद्द करने के संबंध में निर्णय लेते समय देता है। इस मामले में, न्यायालय ने स्पष्ट दिशा निर्देश निर्धारित किए हैं जिनमें उन विशिष्ट परिस्थितियों को रेखांकित किया गया है जिनमें एफआईआर को रद्द करना उचित है। यह पुलिस की जांच शक्तियों और उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप करने के अधिकार के बीच एक महत्वपूर्ण रेखा खींचने में अहम भूमिका निभाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह फैसला आपराधिक कार्यवाही के दुरुपयोग के खिलाफ एक सुरक्षा कवच का काम करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इनका इस्तेमाल व्यक्तियों को अनुचित रूप से निशाना बनाने या व्यक्तिगत द्वेष को साधने के लिए हथियार के रूप में न किया जाए। इसके अलावा भी धारा 482 के मामले में आनंद कुमार मोहत्ता बनाम राज्य (दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी) (2018), जिथा संजय और अन्य बनाम केरल राज्य और अन्य (2023), श्री अनुपम गहोई बनाम राज्य (दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार) और अन्य (2024) तथा मामा शैलेश चंद्र बनाम उत्तराखंड राज्य (2024) महत्वपूर्ण निर्णय है, जो अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

सामयिक

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

पर्यावरण अनुकूल परिवहन की ओर बढ़ती दुनिया

जलवायु परिवर्तन आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। दुनिया भर में बढ़ते तापमान, चरम मौसम घटनाओं और प्रदूषण ने विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस संदर्भ में परिवहन क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह आधुनिक जीवन का आधार भी है और प्रदूषण का बड़ा स्रोत भी।

परिवहन क्षेत्र वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का एक बड़ा हिस्सा पैदा करता है। अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल के अनुसार दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 15 फीसदी हिस्सा परिवहन क्षेत्र से आता है, जबकि ऊर्जा से जुड़े कार्बन उत्सर्जन में इसकी हिस्सेदारी लगभग 23 फीसदी तक पहुँच जाती है। यही कारण है कि आज दुनिया के अनेक देश अपनी परिवहन व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में तेजी से जुटे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में यह समझ विकसित हुई है कि आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह पर्यावरण के साथ संतुलन बनाए रखे। इसी सोच के साथ 'ग्रीन मोबिलिटी' या 'सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट' की अवधारणा वैश्विक नीतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही है। इसका उद्देश्य ऐसे परिवहन साधनों और ढाँचों को विकसित करना है जो कम ऊर्जा का उपयोग करें, कम प्रदूषण फैलाएँ और शहरों को अधिक रहने योग्य बनाएँ।

दुनिया में ग्रीन मोबिलिटी की दिशा में यूरोप सबसे आगे दिखाई देता है। नॉर्वे, नीदरलैंड और जर्मनी जैसे देशों ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक नीतियाँ बनाई हैं। नॉर्वे में नई कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 70 फीसदी से भी अधिक हो चुकी है।

इसके साथ ही यूरोप के कई शहरों ने साइकिल को शहरी परिवहन का प्रमुख साधन बनाने का प्रयास किया है। एम्स्टर्डम और कोपेनहेगन जैसे शहरों में साइकिल लेन का विशाल नेटवर्क है और बड़ी संख्या में लोग रोज़ाना साइकिल से ही अपने कार्यस्थल तक पहुँचते हैं। इससे न केवल प्रदूषण कम होता है बल्कि यातायात और ऊर्जा खपत भी घटती है।

चीन ने भी इलेक्ट्रिक -वाहनों और सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चीन के कई शहरों में हजारों बिजली बसें संचालित हो रही हैं और बिजली वाहनों के उत्पादन में भी वह दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2022 में दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं, जो कुल कार बिक्री का लगभग 14 फीसद हिस्सा थीं। यह आँकड़ा इस बात का संकेत है कि वैश्विक परिवहन व्यवस्था धीरे-धीरे लेकिन स्थायी रूप से बदल रही है।

भारत के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ तेजी से शहरीकरण और आर्थिक विकास के साथ वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार भारत में सड़क परिवहन देश के ऊर्जा-संबंधी कार्बन उत्सर्जन का लगभग 12 से 14 फीसद हिस्सा पैदा करता है, जिसमें से लगभग 90 फीसदी उत्सर्जन सड़क परिवहन से होता है। पिछले दो दशकों में इस क्षेत्र में उत्सर्जन तेजी से बढ़ा है। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2001 में परिवहन क्षेत्र से कार्बन उत्सर्जन 155.9 मिलियन टन था, जो दो दशक में बढ़कर 368.2 मिलियन टन हो गया। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि यदि भारत को स्वच्छ और टिकाऊ विकास की दिशा में आगे बढ़ना है तो परिवहन व्यवस्था में व्यापक बदलाव आवश्यक होंगे।

भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों ने पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में कई ठोस पहलें की हैं। केंद्र सरकार की फेम (FAME) योजना के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस योजना के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, कार और बसों की खरीद पर अनुदान दिया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों में धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ रही है। इसके अलावा कई शहरों में इलेक्ट्रिक बसें भी शुरू की गई हैं। इससे सार्वजनिक परिवहन को अधिक स्वच्छ और ऊर्जा-कुशल बनाने में मदद मिल सकती है।

मेट्रो रेल का विस्तार भी भारत के शहरी परिवहन में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। दिल्ली मेट्रो के बाद अब देश के कई शहरों में मेट्रो परियोजनाएँ संचालित या निर्माणाधीन हैं। इससे लाखों लोगों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिल रहा है। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की चर्चा में साइकिल पर बात नहीं हो तो अधूरा है। साइकिल को सबसे सरल और प्रभावी साधन माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई अध्ययनों के अनुसार साइकिल न केवल प्रदूषण को कम करती है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है।

यूरोप के कई शहरों में साइकिल आधारित परिवहन बेहद सफल रहा है। नीदरलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में बड़ी आबादी रोजमर्रा की यात्राओं के लिए साइकिल का उपयोग करती है। एम्स्टर्डम में लगभग 40 फीसदी शहरी यात्राएँ साइकिल से होती हैं।

अपने देश में भी साइकिल का एक लंबा इतिहास रहा है। कभी ग्रामीण और छोटे शहरों में यह सबसे सामान्य परिवहन साधन हुआ करती थी। आज भी देश के लगभग 45 से 50 फीसद परिवारों के पास साइकिल है। 2011 की जनगणना के अनुसार करीब 11 करोड़ परिवारों के पास साइकिल थी। अनुमान है कि देश में लगभग 2.6 करोड़ लोग काम पर जाने के लिए साइकिल का उपयोग करते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 21 फीसदी कामगार साइकिल से काम पर जाते हैं।

हालाँकि पिछले तीन दशकों में शहरी क्षेत्रों में साइकिल का उपयोग काफी कम हुआ है। 1990 के दशक में कई शहरों में 20 से 30 फीसदी यात्राएँ साइकिल से होती थीं, लेकिन आज कई शहरों में यह हिस्सा घटकर 2 से 5 फीसदी रह गया है। इसी अवधि में देश में 26 करोड़ से अधिक मोटरसाइकिल और स्कूटर सड़कों पर आ गए।

इस गिरावट के कई कारण हैं उनमें साइकिल लेन का अभाव, शहरों का कार-केंद्रित विकास, मोटर वाहनों का तेजी से प्रसार और साइकिल को गरीबों के वाहन के रूप में देखने की सामाजिक धारणा।

हालाँकि भारत में पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की दिशा में पहलें शुरू हो चुकी हैं। लेकिन सबसे पहली चुनौती बुनियादी ढाँचे की है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन अभी भी कई शहरों में उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी चुनौती लागत से जुड़ी है। इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआती कीमत अभी भी पारंपरिक वाहनों की तुलना में अधिक है। हालांकि लंबे समय में इनकी परिचालन लागत कम होती है, लेकिन शुरुआती निवेश कई उपभोक्ताओं को रोकता है। तीसरी चुनौती शहरी नियोजन से जुड़ी है। भारत के कई शहरों का विस्तार बिना दीर्घकालिक परिवहन योजना के हुआ है। परिणामस्वरूप सड़कों पर भीड़ और यातायात जाम आम समस्या बन गए हैं।

इसके अलावा चौथी चुनौती शहरों में साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित ढाँचों का अभाव है। यदि शहरों की योजना इस तरह बनाई जाए कि सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल मार्ग को प्राथमिकता मिले, तो प्रदूषण और यातायात दोनों में कमी लाई जा सकती है।

दरअसल पर्यावरण-अनुकूल परिवहन केवल तकनीकी बदलाव का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह जीवनशैली और नीतिगत दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ मुद्दा है। यदि शहरों को अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और रहने योग्य बनाना है तो परिवहन व्यवस्था में व्यापक बदलाव आवश्यक होगा। भारत के लिए यह एक अवसर भी है। देश के पास युवा जनसंख्या, तेजी से विकसित हो रही तकनीक और बढ़ता हुआ बाजार है। यदि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण, बैटरी तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा को जोड़कर समग्र नीति बनाई जाए, तो भारत इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व भी हासिल कर सकता है। याने पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की दिशा में उठाए गए कदम केवल प्रदूषण कम करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे शहरों को अधिक मानवीय, सुरक्षित और स्वस्थ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष

दिनेश पाठक

(वरिष्ठ पत्रकार, कला समीक्षक)

राम लीला थी भारत का आदि रंगमंच

नाटकों की समृद्ध परम्परा रही है। ढाई-तीन हजार वर्ष पूर्व के कालिदास के नाटक इसके प्रमाण हैं। कालिदास के उत्कृष्ट नाटकों को देखकर यह स्वत: सिद्ध हो जाता है कि इनके पूर्व भी नाटकों का अस्तित्व इस देश में रहा होगा। ढाई-तीन हजार वर्ष पूर्व इस देश में विशेष पर्वों-त्यौहारों पर नाटकों की प्रतियोगिताएँ कराई जाती थीं और श्रेष्ठ नाटकों और पात्रों को पुरस्कृत भी किया जाता था। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारत में, व्यावसायिक पारसी थिएटर कंपनियों का उदय हुआ, जिसने हिंदी रंगमंच के स्वरूप को गहराई से प्रभावित किया।

विश्व रंगमंच दिवस और श्रीराम नवमी इस बार एक दिन पड़े, यह एक विशिष्ट संयोग है। इस विशेष अवसर पर जब हम भारतीय रंगमंच के पौराणिक संदर्भ तलाशते हैं, तो भारतीय रंगमंच की जड़ें मुख्य रूप से रामलीला, रासलीला और अन्य पारंपरिक लोक नाट्य शैलियों में पाते हैं। इन शैलियों में संगीत और नृत्य केवल प्रदर्शन के तत्व नहीं, बल्कि कथा कहने के प्राथमिक साधन थे। श्रीमद्वाल्मीकि रामायण के बालकांड का प्रथम सर्ग रामायण के परिचय के रूप में है, जिसमें नारद मुनि, महर्षि वाल्मीकि को भगवान राम की कथा सुनाते हैं। इसमें एक श्लोक आता है, जिसमें नारद रामायण के रचनाकार वाल्मीकि को बताते हैं कि यह काव्य किस विषय पर लिखा जाना चाहिए।

रामायण महाकाव्य मुद्दिश्य नाटकम् कृतम्।
जन्म विष्णोपमेयस्य राक्षसेन्द्र बधेप्सया।।

(इस श्लोक का अर्थ है, यह महान काव्य रामायण एक नाटक के रूप में लिखा गया है। इसका उद्देश्य उस विष्णु के अवतार के जन्म को दर्शाना है, जो राक्षसों के राजा (रावण) का वध करने की इच्छा रखते हैं)

रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास ही रामलीला की अभिनय परंपरा के प्रतिष्ठापक हैं, जिन्होंने हिंदी में जन मनोरंजनकारी एवं प्रेरणाप्रद नाट्य का अभाव पाकर इसका श्रीगणेश किया। उनकी प्रेरणा से अयोध्या और काशी के तुलसी घाट पर प्रथम बार रामलीला आयोजित की गई। वस्तुतः जिस आम जन तक तुलसी रामकथा पहुंचाना चाहते थे उस अल्प शिक्षित या अशिक्षित जनसागर तक उस ज़माने में पुस्तक की पहुंच संभव नहीं थी, इसीलिए व्यापक जनसंपर्क के तत्कालीन साधनों, जैसे कथा वाचन, गायन, नाट्याभिनय आदि के उपयोग की दृष्टि, तुलसी के मानस लेखन में आरंभ से ही थी। इसीलिए रामचरितमानस का रचना विधान बहुत कुछ मध्यकालीन पारम्परिक हिंदी नाट्य आलेखों जैसा ही है। साहित्य में काव्य और काव्य में नाटक सर्वाधिक रमणीय विधा है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने 'काव्येषु नाटकं रम्यम्' कहकर नाटक की सर्वसुखकारिता एवं लोकाभिमुखता को ही स्वीकार किया है। भरत मुनि ने कहा है: जग्राह पाठ्यमृग्वेदात सामेभ्यो गीतमेव च। यजुर्वेदादभिनयान्
रसानाथवर्णादपि ।।

(अर्थात् ब्रह्मा जी ने ऋग्वेद से पाठ्य (संवाद), सामवेद से संगीत, यजुर्वेद से अभिनय तथा अथर्ववेद से रस के तत्वों को लेकर नाट्यवेद रचा।)

इस सन्दर्भ में उन्होंने आगे कहा

न तज्ज्ञान न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला।
नासौ योगो न तत्कर्म नाट्येऽस्मिन यन्न दृश्यते।

(अर्थात् ऐसा कोई ज्ञान नहीं, ऐसा कोई शिल्प नहीं, ऐसी कोई विद्या नहीं, ऐसी कोई कला नहीं और ऐसा कोई कर्म नहीं जो नाटक में न दिखाया जा सके।)

भरत मुनि द्वारा रचित नाट्य शास्त्र में नाट्य कला का जितना सूक्ष्म एवं विशद वर्णन हुआ है, उतना अन्य किसी भी ग्रंथ में नहीं हुआ। अभिनय, वेशभूषा, रूप सज्जा, नेपथ्य, संकलनत्रय, प्रकाश, कथ्य, रस, भाव, दर्शक आदि का विश्लेषण करने वाला विश्व का यह अनूठा ग्रंथ है। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य प्राचीन ग्रंथों में भी नाटकों पर पर्याप्त प्रकाश डाला गया है।

कालिदास ने कहा 'नाट्यंभिन्नरुचेर्जनस्य बहुधाप्येकं समाराधनम्।

अर्थात भिन्न-भिन्न रुचि वाले लोगों के लिए प्रायः नाटक ही समान रूप से आनन्द देय है।

हमारे देश में नाटकों की समृद्ध परम्परा रही है। ढाई-तीन हजार वर्ष पूर्व के कालिदास के नाटक इसके प्रमाण हैं। कालिदास के उत्कृष्ट नाटकों को देखकर यह स्वतः सिद्ध हो जाता है कि इनके पूर्व भी नाटकों का अस्तित्व इस देश में रहा होगा। ढाई-तीन हजार वर्ष पूर्व इस देश में विशेष पर्वों-त्यौहारों पर नाटकों की प्रतियोगिताएँ कराई जाती थीं और श्रेष्ठ नाटकों और पात्रों को पुरस्कृत भी किया जाता था। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारत में, व्यावसायिक पारसी थिएटर कंपनियों का उदय हुआ, जिसने हिंदी रंगमंच के स्वरूप को गहराई से प्रभावित किया। पारसी रंगमंच ने दर्शकों को आकर्षित करने के लिए नाटकों में संगीत और नृत्य का खुलकर प्रयोग किया। भारतेंदु हरिश्चंद्र को हिंदी नाट्य लेखन का जनक माना जाता है। यद्यपि नाटक उनके पहले भी लिखे जाते रहे किन्तु नियमित रूप से खड़ी बोली में अनेक नाटक लिखकर उन्होंने हिन्दी नाटक की नींव को सुदृढ़ बनाया। भारतेन्दु के नाटक लिखने की शुरुआत बंगला के विद्यासुन्दर (1867) नाटक के अनुवाद से हुई। उन्होंने लोक नाट्य और पारसी थिएटर की शैलियों का समन्वय किया, लेकिन उनका उद्देश्य व्यावसायिक नहीं, बल्कि सदैव सामाजिक एवं सांस्कृतिक रहा।

रामलीला के नाट्य मंचन से प्रभावित भारतीय नाट्य दर्शक ने भी सदैव सामाजिक,संदेशात्मक एवं पौराणिक पृष्ठभूमि वाले नाटकों को पसंद किया। वह पुराने समय के राजा हरीशचंद्र हो या, भर्तृहरि या वर्तमान में अभिनेता आशुतोष राणा द्वारा रावण की भूमिका वाला चर्चित महा नाट्य 'हमारे राम'। यह नाटक रामायण पर आधारित एक भव्य रंगमंचीय प्रस्तुति है।इसमें आधुनिक तकनीक, संगीत और नाटकीय संवादों के माध्यम से रामङ्करावण कथा को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है और रावण के चरित्र को केवल खलनायक नहीं, बल्कि ज्ञान, अहंकार और दर्शन के प्रतीक के रूप में भी दिखाया गया है। अब तक इस नाटक के 200 से अधिक शो हो चुके हैं। यह जीवन पर रंगमंच के प्रतीकात्मक प्रभाव को सिद्ध करता है।

24वें तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी की जन्म कल्याणक पर विशेष-

भगवान महावीर का संयम संदेश : दिगंबर जैन आम्नाय में आत्ममोक्ष का सर्वोच्च मार्ग

ममता गंगवाल
धार जिला अध्यक्ष-
जैन प्रबुद्ध मंच

महावीर जयंती पर विशेष: त्याग, तप और आत्मशुद्धि का अनुपम आदर्श, आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक दिगंबर जैन परंपरा में भगवान महावीर स्वामी का जीवन केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि आत्मा की मुक्ति का साक्षात मार्ग है। 24वें तीर्थंकर के रूप में उन्होंने जिस तप, त्याग और संयम की साधना की, वह आज भी प्रत्येक मानव के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

महावीर स्वामी का संपूर्ण जीवन यह दर्शाता है कि आत्मकल्याण के लिए बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धि और संयम आवश्यक है। दिगंबर जैन इसी सिद्धांत को सर्वोपरि मानता है।

दिगंबरत्व: पूर्ण त्याग का प्रतीक- दिगंबर परंपरा के अनुसार, भगवान महावीर ने समस्त भौतिक वस्तुओं का त्याग कर दिगंबर अवस्था को अपनाया। यह केवल वस्त्र त्याग नहीं, बल्कि हर प्रकार की आसक्ति से मुक्त होने का प्रतीक है।

यह संदेश देता है कि आत्मा का वास्तविक स्वरूप निर्लेप और स्वतंत्र है, जिसे किसी बाहरी साधन की आवश्यकता नहीं।

कठोर तपस्या और आत्मसाधना- भगवान महावीर ने 12 वर्षों तक कठिन तप और ध्यान किया। उन्होंने हर प्रकार के कष्टों को समभाव से सहा और अंततः केवलज्ञान प्राप्त किया। दिगंबर जैन आम्नाय में यह तपस्या आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति का सर्वोच्च साधन मानी जाती है।

पंचमहाव्रत: जीवन का आधार स्तंभ- महावीर स्वामी द्वारा प्रतिपादित पंचमहाव्रत आज भी जीवन को दिशा देने वाले सिद्धांत हैं-

अहिंसा - किसी भी जीव को कष्ट न देना
सत्य - सत्य का पालन
अचौर्य - चोरी न करना
ब्रह्मचर्य - इंद्रिय संयम
अपरिग्रह - संग्रह का त्याग

दिगंबर साधु इनका पूर्ण रूप से पालन करते हैं, जबकि सामान्य जन इन्हें अपने जीवन में आंशिक रूप से अपनाते हैं।

'आत्मा ही परमात्मा है' - महावीर का अमर संदेश-

महावीर स्वामी ने यह स्पष्ट किया कि मोक्ष का मार्ग स्वयं के भीतर है।

दिगंबर दर्शन में आत्मा को ही परम तत्व माना गया है – न कोई सृष्टिकर्ता, न कोई बाहरी उद्धारक।

यह विचार मनुष्य को आत्मनिर्भर बनाता है और अपने कर्मों के प्रति जागरूक करता है।

समता और करुणा का संदेश-

भगवान महावीर ने हर जीव में समान आत्मा का दर्शन किया। उनका यह दृष्टिकोण आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है।

उनका संदेश है – 'जियो और जीने दो', जो सहिष्णुता और शांति का आधार है।

आज के युग में महावीर की प्रासंगिकता- वर्तमान समय में जब मानव जीवन तनाव, लोभ और असंतुलन से जूझ रहा है, तब महावीर का संयम और साधना का मार्ग एक संतुलित जीवन की दिशा देता है।

अहिंसा से शांति
अपरिग्रह से संतोष
संयम से स्थिरता

भगवान महावीर का जीवन और उपदेश केवल जैन धर्म तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए एक अमूल्य धरोहर हैं। दिगंबर जैन आम्नाय हमें यह सिखाता है कि सच्चा सुख बाहरी संसार में नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपा हुआ है।

यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, तो व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन संभव है!

जानबूझकर श्वान को कुचलने पर हुई एफआईआर

धार। चाणक्यपुरी क्षेत्र में सड़क पर बैठे श्वान पर जान बूझकर मारने की नीयत से चस्कॉपियो वाहन से कुचल दिया । श्वान शिकायतकर्ता विशाल पिता राजेश बोरासी का पाला हुआ था व गली में घूमता था । शाम को ही पुलिस से शिकायत करने के बाद कोई कार्यवाही नहीं कि गई । दूसरे दिन फिर सुबह आरोपी बालचन्द के साथी पंकज वैष्णव व

परिवार वालों ने फरियादी से मारपीट की । पहले भी ये लोग श्वानों को खाना खिलाने पर झगड़ा व शिकायतकर्ता से कई बार दुर्व्यवहार कर चुके थे जिसकी थाने पर शिकायत पहले भी की जा चुकी थी । श्वान कुचलने के पश्चात भी इन्होंने आगे भी पशुओं को मारने की बात की व शिकायतकर्ता के परिवार व महिलाओं को भी गाली गलौच करके धमकाता रहा । उल्लेखनीय है कि शिकायतकर्ता ने श्वान को कुचलने का सीसीटीवी फुटेज व मारपीट गाली गलौच के वीडियो साक्ष्य के रूप में पुलिस को दिए। मेनका गांधी की पशु सेवा संस्था पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) की सहयोग से एफआईआर हुई ।

महावीर जयंती का अवकाश अब 30 मार्च को घोषित

सोहागपुर। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल ने पूर्व अधिसूचना दिनांक 29 मार्च 2026 के अनुपालन में तथा जनभावनाओं एवं स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते जिला नर्मदापुरम हेतु पूर्व में घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन किया गया है। कैलेण्डर वर्ष 2026 हेतु घोषित अवकाश की सूची में 'महावीर जयंती' के उपलक्ष्य में दिनांक 30 मार्च 2026 (सोमवार) को जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि दिनांक 31 मार्च 2026 (मंगलवार) को सभी शासकीय कार्यालय,संस्थाएं पूर्वत खुले रहेंगे। उक्त आश्य की जानकारी कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना के कार्यालय से जारी की गई है। सोहागपुर में उक्त जानकारी जनपद पंचायत कार्यालय से अनुराग तिवारी ने इस प्रतिनिधि को दी।

व्यंग्य व्यक्ति विशेष पर नहीं, प्रवृत्ति पर होना चाहिए: डॉ. साधना बलवटे

भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा प्रादेशिक हास्य व्यंग्य, गद्य -पद्य में गोष्ठी का आयोजन दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में, वरिष्ठ साहित्यकार मुकेश वर्मा के मुख्य आतिथ्य, डॉ साधना बलवटे एवं प्रदीप नवीन के सारस्वत आतिथ्य, डॉ रामवल्लभ आचार्य, संरक्षक मध्यप्रदेश लेखक संघ के विशिष्ट आतिथ्य एवं राजेंद्र गट्टानी, अध्यक्ष मध्यप्रदेश लेखक संघ की अध्यक्षता में हुई। गोष्ठी में प्रदेश के चर्चित हास्य-व्यंग्य रस के साहित्यकारों ने अपनी रचनाएँ सुनाई। पहले व्यंग्यकार के रूप में सुधा दुबे ने 'घड़ियाली आंसू' विषय पर गहरा व्यंग्य सुनाया। कैलाश सोनी 'सार्थक' ने हास्य व्यंग्य कुछ यूँ सुनाया 'वक्त ख़राब हो तो कुछ भी हो सकता है'। अशोक व्यास का व्यंग्य 'विख्यात संस्था के कुख्यात अध्यक्ष' बहुत सराहा गया। सीमा हरि शर्मा का व्यंग्य 'पाठक की खोज, छपना श्रेष्ठता की गारंटी नहीं है' पसन्द किया गया। सुनील चतुर्वेदी की पैरोडी, 'मैं हूँ मुन्ने खां भोपाली', ने खूब गुदगुदाया। आलोक जैन ने अपनी क्षणिकाओं से हँसाने के साथ, विचार करने को मजबूर कियाद्य राज गोस्वामी ने और देवास से आई यशोधरा भटनागर के व्यंग्य बहुत सराहे गए। देवास के ही सुरेंद्र सिंह 'हमसफ़र' और व्यंग्यकार राजेंद्र चौहान का व्यंग्य ने लोगों को बहुत गुदगुदाया। मंच संचालन करते हुए संस्था के सचिव मनीष बादल ने कुछ व्यंगात्मक दोहों के साथ दो व्यंग्य से भरी लघुकथाएं 'हिट कवि एवं तपस्या में समस्या' सुनाईं। संस्था के संरक्षक एवं विशिष्ट अतिथि डॉ राम वल्लभ आचार्य की रचना, 'डरते हो जिससे उस थानेदार पर, गर धौंस जमाना हो तो अख़बार निकालो' को खूब सराहना मिली।

अधोसंरचना विकास के साथ शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अधोसंरचना विकास के साथ शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक है। रीवा में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार को बेहतर बनाने के सभी प्रयास जारी हैं। हमारा प्रयास है कि गुणात्मक शिक्षा व बेहतर इलाज की सभी व्यवस्थायें रहें ताकि यहां के लोगों को उच्चे शिक्षा व इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने लगभग 3 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा भवन का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने संभाग को आदर्श संभाग बनायें। महाविद्यालय के प्राचार्यों का दायित्व है कि वह अपने महाविद्यालय में नवीन पाठ्क्रम संचालन के लिये प्रयासरत रहें तथा प्राध्यापकों व विद्यार्थियों के साथ जीवंत संबंध बनायें रखें। उन्होंने कहा कि अच्छा प्रशासक वही है जो जमीनी फीडबैक लेकर कार्य करे। यह भवन उच्च स्तरीय सुविधाओं से युक्त है। जब कार्यालय अच्छा होता है तो कार्य करने की इच्छा भी बढ़ जाती है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें संस्करण को सुना

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ,भाजपा जिलाध्यक्ष महंत भारती, विधायक नीना वर्मा हुए शामिल

धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें संस्करण को जिले के सभी 18 मंडलों पर सामूहिक रूप से रविवार को श्रवण किया गया । जिसमें प्रेरणादायी संवाद में मोदी ने पड़ोसी देशों के मध्य हो रहे युद्ध को देखते हुए सभी देशवासियों से जागरूक और एकजुट रहने का अनुरोध किया। उन्होंने भारत सरकार की तरफ से जारी होने वाली जानकारियों पर ही विश्वास करने की अपील की।साथ ही समाज में जनभागीदारी, नवाचार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सकारात्मक प्रयासों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर , धार विधानसभा क्षेत्र विधायक नीना वर्मा ने नगर के विक्रम ज्ञान मंदिर सभाकक्ष लाल बाग में आजीविका मिशन की बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के साथ सामूहिक रूप से किया।

इसी क्रम में धार विधानसभा के पीथमपुर में बूथ क्रमांक 322 पर भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती व भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पटेल ने तथा पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने बदनावर विधानसभा क्षेत्र बखतगढ़ मंडल के गाँव भैंसोला में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ सुना गया। सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों, ऊर्जा संकट की संभावनाओं, देश की एकता एवं सतर्कता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और कठिन समय में संयम व सहयोग की भावना बनाए रखें।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों और प्रधानमंत्री के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है, जो समाज में जागरूकता एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया की मन की बात कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री राकेश पटेल व देवेंद्र सोनोने, नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम , कालीचरण सोनवानिया हुकुम लश्करी , देवेंद्र रावल, दीपक बिडकर ,राजेश हारोड़ , सीमा सोनी ,अनुसुईया वैष्णव, सरिता पाटीदार समेत भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे। संस्करण को पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह और रुचि के साथ जिले के लगभग सभी बूथों पर श्रवण किया ।

बच्ची की नाक के अंदर पनप रहे थे कीड़े, डॉक्टर्स ने 7 दिन में निकाले लार्वा

बैतूल। बैतूल में 14 साल की दिव्यांग बच्ची की नाक में लार्वा (कीड़े) पनपने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर इलाज में और देरी होती, तो संक्रमण दिमाग तक पहुँचकर जानलेवा साबित हो सकता था। फिलहाल बच्ची खतरे से बाहर है। बच्ची पिछले एक महीने से सर्दी-खांसी और बुखार से परेशान थी। धीरे-धीरे नाक से तेज बदबू आने लगी। वह लगातार सुस्त रहने लगी थी। निजी अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टरों ने नाक के अंदर जीवित लार्वा देखा। इसके बाद बच्ची को तुरंत जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ऋषि माहोर ने एंडोस्कोपिक तकनीक से इलाज किया। उन्होंने बताया कि 5 से 7 दिन तक लगातार प्रक्रिया चली। हर दिन नाक से 5 से 10 लार्वा निकाले गए। नाक के अंदर पहले से काफी नुकसान हो चुका था। डॉक्टर के अनुसार, संक्रमण तेजी से फैल रहा था, लेकिन समय रहते इसे नियंत्रित किया गया। परिजनों ने बताया कि शुरुआत में बच्ची की बीमारी सामान्य सर्दी-खांसी लग रही थी। धीरे-धीरे नाक से तेज बदबू आने लगी। बच्ची बोल नहीं पा रही थी, इसलिए दर्द व्यक्त नहीं कर सकी। हालत बिगडऩे पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां असली कारण का पता चला। डॉक्टर ऋषि माहोर ने बताया कि पूरा इलाज एंडोस्कोपिक तकनीक से किया गया, जिसमें बिना बड़ा चीरा लगाए नाक के अंदर से सर्जरी होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि नाक से बदबू, खून, मवाद या कोई असामान्य लक्षण महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। समय पर इलाज ही ऐसे गंभीर संक्रमण से बचा सकता है।

परस्पर समन्वय से जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाएं रखें: कलेक्टर

आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस और राजस्व की समन्वय बैठक आयोजित

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित पुलिस एवं राजस्व विभाग की समन्वय बैठक में जिले के सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार एवं थाना प्रभारियों को दिए। उन्होंने सडक़ सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि दुर्घटनाओं के मामलों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा घायलों को व्यवस्थित उपचार मिले। 'राहवीर' और पीएम राहत योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व से संबंधित विवादित प्रकरणों के गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही नरवाई

जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने राजस्व और पुलिस को नगरपालिका से सतत समन्वय बनाए रखने, दमकल एवं एम्बुलेंस सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित रखने तथा आवश्यक अनुमतियां निर्धारित प्रारूप में जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सभी ईंधनों के दाम, आवक एवं उपयोग पर नियंत्रण बनाए रखा जाए, ताकि आपूर्ति प्रभावित न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने कहा कि पुलिस एवं राजस्व के बीच बेहतर समन्वय से कानून व्यवस्था अच्छी बनी रहे। जनहित एवं कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में सतर्क और सजग रहें तथा स्थानीय मुद्दों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जाएं। उन्होंने नरवाई आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने, नगरपालिका के साथ समन्वय रखते हुए आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल सुनील लाटा, डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र किए वितरित

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में बैतूल में भूकम्प पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में सोनाघाटी होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित 05 दिवसीय भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण 25 मार्च से 29 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के प्राचार्य, स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के चिकित्सक, नगर पालिका एवं पंचायत सचिव, पुलिस विभाग तथा सिविल डिफेन्स के वालेंटियरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य भूकंप जैसी आपदा से पूर्व तैयारी एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता का विकास करना था। इस प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में भूकंप से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रबंधन की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के भूपेन्द्र सिंह एवं जिला चिकित्सालय के हरी वाघमारे द्वारा बर्न जलने की स्थिति से बचाव एवं उपचार की जानकारी दी गई। जिला सेनानी इन्दल उपनारे एवं प्लाटून कमाण्डर सुनीता पन्द्रे ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की गई।

बैतूल में रश्मि, सावन्या सहित छह को जिम्मेदारी

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने बैतूल जिले की बैतूल, आमला, मुलताई और सारनी नगरपालिका में एल्डरमैन नियुक्त किए हैं। यह आदेश विभाग द्वारा जारी किया गया है। नगर पालिका परिषद बैतूल में 6 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। इनमें रश्मि साहू, मनप्रीतसिंह (मिन्ना) अहलूवालिया,

सावन्या शेषकर, नीतेश वर्मा, राजू सोनकपुरिया और कैलाश यादव शामिल हैं। इसी तरह, नगर पालिका परिषद आमला में गोविंद बघेल, सपना सोनी, बसंत ओडुकले, गोपाल खतारे, सुरेखा मराठे और आरती पाटिल को एल्डरमैन बनाया गया है। नगर पालिका परिषद मुलताई के लिए सुनीता नागले, बीना पंजाबी, श्यामू धोमने, प्रीतम सिसोदिया, राजू चौबे और नीलेश चांवरिया के नाम सूची में हैं। वहीं, नगर पालिका परिषद सारनी में रमेश किशन पंवार, विनय मदने, सरोज विश्वकर्मा, सुनीता यादव, रमेश हारोडे और संजीत कुमार चौधरी को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है। राज्य शासन द्वारा ये नियुक्तियां मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 के तहत की गई हैं। ये नियुक्तियां आगामी आदेश तक प्रभावी रहेंगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने प्रदेशभर की कुल 46 नगरपालिकाओं में एल्डरमैन नियुक्त किए हैं।

ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम

बैतूल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड भीमपुर के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था नव एकलव्य मानव सेवा समिति खुर्दा एवं जनकल्याण संस्था कुंड बकाजन के सहयोग से किया गया। साथ ही मास्टर ऑफ सोशल वर्क एवं बैचलर ऑफ सोशल वर्क के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान श्रमदान के माध्यम से बावड़ी के चारों ओर साफ-सफाई कर जल स्रोत के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता लवकेश मोरसे, पूजा मोरले, विजेश इरपाचे, दीपिका सराठे एवं ग्राम पंचायत बेला के रोजगार सहायक सुरेश विश्वकर्मा सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य गुन्नू उईके, अलकेश कुदारे एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। परामर्शदाता लवकेश मोरसे ने बताया कि यह अभियान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

स्वर्णा तिवारी ने ऑनलाइन ऑफलाइन माध्यम से 150 पुस्तकों की समीक्षा करके नगर को किया गौरवान्वित

सोहागपुर। स्वर्णा तिवारी ने ऑफलाइन ऑनलाइन माध्यम से करीबन 150 से अधिक पुस्तकों की समीक्षा करके नगर को गोरवान्वित किया है । स्वर्णा तिवारी हाल में भोपाल में आयोजित 'आनंद मठ पर चर्चा' कार्यक्रम के अवसर पर उनकी समीक्षा प्रस्तुति पर विशेष सराहना की गई थी। इसके अलावा आपने केदारनाथसिंह की कविताओं पर भी मंच से अपनी समीक्षात्मक दृष्टि साझा की है। उल्लेखनीय है कि उनकी विलक्षण प्रतिभा के कारण वर्तमान में लेखक एवं प्रकाशक उनको अपनी पुस्तकों की समीक्षा के लिए आमंत्रित करते हैं। उक्त उपलब्धि किसी भी युवा समीक्षक को गोरवान्वित करती है। स्वर्णा तिवारी ने बहुत ही कम उम्र में 150 से अधिक पुस्तकों की समीक्षा कर साहित्यिक जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। ज्ञातव्य है कि स्वर्णा तिवारी ने विगत करीबन चार वर्ष पूर्व उच्च शिक्षा के लिए सोहागपुर से भोपाल गई थी। विलक्षण प्रतिभा की धनी स्वर्णा तिवारी ने बताया कि सोहागपुर से भोपाल जाने पर अपने

में मित्रों की कमी खली ।इस खालीपन को भरने के लिए उन्होंने पुस्तकालय की शरण ली। धीरे-धीरे किताबें मित्र बन गईं। जो पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं थीं। उनको स्वयं खरीदकर पढ़ना शुरू किया । अकेलेपन को भरने के लिए किताबों का सहारा लिया । जो एक जुनून बनकर पहचान बन गया। कम उम्र में ही शब्दों की दुनिया में अपनी विशिष्ट छाप को स्वर्णा तिवारी ने पुस्तक समीक्षा को न केवल अपना शौक बनाया, बल्कि उसे एक सशक्त साहित्यिक यात्रा

में परिवर्तित कर दिया। जहाँ हर किताब उनके विचारों से एक नया अर्थ दर्शाती है । ऐसा करते करते इस श्रंखला कम उम्र में करीबन 150 से अधिक पुस्तकों की समीक्षा करके साहित्यिक जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली । स्वर्णा तिवारी बताती है कि उनकी पहली समीक्षा कमलेश्वर जी की ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त 'कितने पाकिस्तान' से आरंभ हुई थी।जिसने उनके साहित्यिक सफर में मील का पत्थर साबित हुई। इसके उपरांत मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।इसके बाद उन्होंने 'कसक', 'गोदान', 'गबन' और 'गुनाहों का देवता' जैसी प्रतिष्ठित कृतियों पर अपनी विचारपूर्ण समीक्षाएँ प्रस्तुत कीं। इंस्टाग्राम के पेज में डेढ़ वर्ष पूर्व स्वर्णा तिवारी ने 'किताबी खरगोश' नामक पेज की स्थापना कीवह आज पुस्तक प्रेमियों के लिए एक जीवंत मंच बन चुका है। इस पेज से जुड़े लगभग 4000 सदस्य न केवल उनकी समीक्षाओं का आनंद लेते हैं। वहीं पाठकों में युवा वर्ग के साथ-साथ अनुभवी और बौद्धिक रूप से समृद्ध व्यक्तित्व भी शामिल हैं। ज्ञातव्य है कि स्वर्णा तिवारी को बचपन से साहित्यिक माहौल मिला है। नगर के वरिष्ठ पत्रकार नीलम तिवारी और शिक्षिका वंदना तिवारी की पुत्री हैं। उनके पिता का नाम भी साहित्य और सामाजिक सरोकारों में सम्मानपूर्वक लिया जाता है। अब स्वर्णा उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपने लेखन और समीक्षाओं से नई पहचान गढ़ रही हैं। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

क्षेत्र में कृषि को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण प्रयास है यह कृषि मेला: केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने रायसेन में कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा, रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होगा राष्ट्रीय स्तर का कृषि मेला सह प्रदर्शनी और प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायसेन,(निप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज रायसेन में दशहरा मैदान पहुंचकर आगामी 11 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया गया। उन्होंने आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया और कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर आयोजन की रूपरेखा अनुसार बैठक व्यवस्था, विभिन्न सत्रों के लिए स्थल, स्टॉल और तकनीकों के सजीव प्रदर्शन आदि के बारे में मप्र शासन के कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा केन्द्र और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर भारत सरकार के कृषि विभाग के संयुक्त सचिव श्री संजय अग्रवाल, मप्र शासन के कृषि विभाग के प्रमुख सचिव श्री निशांत बरबड़े, केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक (किसान कल्याण एवं विस्तार) श्री अविनाश लावनिया, मप्र मंडी बोर्ड के एमडी श्री कुमार पुरूषोत्तम तथा कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के साथ कार्यक्रम आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यह आयोजन क्षेत्र में कृषि की दिशा बदलने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कृषि मेला आयोजन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण हो, किसानों तक कृषि मेला आयोजन और उसके उद्देश्यों की जानकारी पहुंचे, व्यापक प्रचार-प्रसार हो। किसानों तक यह जानकारी पहुंचना जरूरी है कि यह मेला, राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रहा है जिसमें किसानों के समक्ष खेती की विभिन्न उन्नत तकनीकों और पद्धतियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह उन्नत कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ है और इसमें सभी की भागीदारी जरूरी है। यह मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेला और प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश ही नहीं, देश के अन्य राज्यों से भी प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उपकरण बनाने वाली कम्पनियों सहित कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहीं निजी कम्पनियां भी यहां आएगीं। उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां किसानों को जानकारी दी जाएगी और सजीव प्रदर्शन भी होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को आय बढ़ाने के लिए परम्परागत खेती के अलावा फलों की खेती, फूलों की खेती, सब्जी की खेती, प्राकृतिक खेती, पशुपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन आदि अपनाना होगा। यहां आयोजित होने वाले मेले में इन सभी प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को तकनीकी जानकारी देने के साथ ही लाईव प्रदर्शन भी होगा। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि की कई नवीन पद्धतियां हैं जिनका किसानों के समक्ष प्रदर्शन जरूरी है। तभी वह सीखेंगे और अपनाएंगे। मेले में उन्नत बीजों की जानकारी, कृषि पद्धति, रोगों की पहचान और उपचार, नकली उर्वरक या कीटनाशकों की पहचान, फसल कटने के बाद उसे सुरक्षित रखने, उपज का मूल्य कैसे बढ़ाएं, कच्चे माल की प्रोसेसिंग आदि इस प्रकार बीज से लेकर बाजार तक की जानकारी किसानों को दी जाएगी और तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि जब हमारा किसान आगे बढ़ेंगे तो देश खुशहाल होगा और जब देश खुशहाल होगा तो प्रदेश खुशहाल होंगे। इसी मंशा को लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप रायसेन में केन्द्र सरकार द्वारा यह राष्ट्रीय स्तर का कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में हर क्षेत्र से किसान सम्मिलित होंगे, उन्हें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खेती की उन्नत तकनीकों तथा पद्धतियों की जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाएगा। किसानों के सामने पद्धतियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जिले के प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश में खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

नरवाई प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण: ग्यारसपुर के किसान ने स्ट्रॉ रीपर से बनाया भूसा

विदिशा,(निप्र)। विदिशा जिले में फसल अवशेष (नरवाई) प्रबंधन को लेकर जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के बीच ग्यारसपुर विकासखंड के ग्राम मुडरा गणेशपुर के किसान श्री बलवीर सिंह दांगी ने एक सराहनीय पहल प्रस्तुत की है। उन्होंने हार्वेस्टर से फसल कटाई के बाद खेत में बची नरवाई को जलाने के बजाय स्ट्रॉ रीपर मशीन के माध्यम से उसका उपयोग कर भूसा तैयार किया। कृषक द्वारा अपनाई गई यह पद्धति न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो रही है। नरवाई जलाने से जहां एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, वहीं इस प्रकार के वैज्ञानिक प्रबंधन से इन समस्याओं से बचाव संभव है। कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों को नरवाई न जलाने एवं वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में स्ट्रॉ रीपर, हैप्पी सीडर जैसी मशीनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे खेत की उर्वरता बनी रहे और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर

सीहोर,(निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग को रोकने के उद्देश्य से खाद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के पेट्रोल पंपों, गैस एजेंसियों के गोदामों, होटलों एवं अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। आष्टा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री मृगी अग्रवाल ने आष्टा के जिओ फिलिंग, परमार फिलिंग, प्रज्ञा फ्यूल्स, मेहर फिलिंग सहित अनेक पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध पाया गया। इसके साथ ही कोठरी में निरीक्षण के दौरान एक रेस्टोरेंट पर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक दुरुपयोग पाए जाने पर घरेलू गैस सिलिंडर जब्त किया गया है। सुश्री मृगी अग्रवाल ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा निरंतर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की निगरानी की जा रही है तथा वर्तमान में आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नहीं है।

नर्मदापुरम में राजस्थान मिष्ठान में लगी आग:फर्नीचर जला, मिठाइयां खराब हुईं, एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

नर्मदापुरम,(निप्र)। नर्मदापुरम के नर्मदापुरम इंद्रा चौक की राजस्थान मिष्ठान भंडार में शुक्रवार-शनिवार रात 1 बजे बजे आग लग गई। आग इतनी विकराल हुई कि ऊंची ऊंची लपटें उठने लगी। घटना से अफरा-तफरी मच गई। बाजार क्षेत्र के अन्य दुकानदार समेत रहवासियों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही कोतवाली थाने से एएसआई संजय रघुवंशी और फायर ब्रिगेड गाड़ी भी पहुंची। बिजली लाइनमैन बुलाकर सप्लाई कट कराई। जिसके बाद आग बुझाने का कार्य शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। वरना आसपास की कपड़े दुकानों में आग फैल सकती थी। जानकारी के मुताबिक राजस्थान मिष्ठान भंडार के आसपास रेडिमेट कपड़े की कई दुकानें है। रात 1बजे राजस्थान मिष्ठान में आग लगी। एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका है। आग से सारा फर्नीचर अन्य सामान जल गया। मिठाई और नमकीन खराब हो गए, बॉक्स भी जल गए। दुकान संचालक के मुताबिक करीब 15 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में वार्षिक उत्सव आयोजित

सीहोर,(निप्र)। सीहोर के पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में वार्षिक उत्सव के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा, श्रीमती अरूणा राय और श्री सुदीप प्रजापति ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ शर्मा ने कहा कि 'आसक्ति दुख का कारण है। हमें किसी से कोई अपेक्षा नहीं रखना चाहिए, बल्कि हमेशा देने की भावना रखनी चाहिए।' उन्होंने छात्रों को जीवन में सकारात्मक सोच एवं निस्वार्थ भाव अपनाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती अरुणा राय ने विद्यार्थियों से आवाहन किया कि वे शिक्षा को गंभीरता से ग्रहण करें और अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें। श्री सुदीप प्रजापति और वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रमेश चंद्र हिमानी ने विद्यार्थियों से शिक्षा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी पूर्ण निष्ठा और परिश्रम के साथ अध्ययन करें, तो उन्हें सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता।

भूकंप आपदा से बचाव के लिए छात्रों को दिया प्रशिक्षण

बैतूल,(निप्र)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा के संयुक्त तत्वावधान में जेएच कॉलेज बैतूल के कॉन्फ्रेंस हॉल में गुरुवार को एक दिवसीय 'भूकंप आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम 'का आयोजन किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड बैतूल इंदल उपनारे ने बताया कि कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं उससे निपटने के लिए आवश्यक जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने भूकंप का परिचय, इसके प्रमुख कारण तथा भूकंप आने से पहले की तैयारी के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही भूकंप के दौरान क्या करें और क्या न करें, इस विषय पर भी छात्रों को व्यवहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्राथमिक उपचार की जानकारी देते हुए घायल व्यक्तियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने एवं एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के विभिन्न तरीकों का मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में व्याख्याता के रूप में प्लाटून कमांडर श्रीमती सुनीता पन्द्रे, जिला चिकित्सालय बैतूल से श्री राजा रघुवंशी एवं डॉ. हरी वाघमारे उपस्थित रहे।

आमला में अवैध उत्खनन पर खनिज, राजस्व और पुलिस की बड़ी कार्यवाही

एक पोकलेण्ड मशीन एवं डम्पर जप्त

बैतूल,(निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बैतूल श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आमला श्री शैलेंद्र बड़ोनिया के नेतृत्व में खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से गुरूवार को तहसील आमला अंतर्गत ग्राम अम्बाडा स्थित स्टोन क्रेशर एवं आस-पास के क्षेत्रो का आकास्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम अम्बाडा स्थित निजी भूमि के अंश भाग पर पोकलेण्ड मशीन द्वारा खनिज बोल्डर/पत्थर का अवैध उत्खनन कर डम्पर क्रमांक एम0पी0 48 एच 0520 के द्वारा अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया गया। मशीन/डम्पर चालाक द्वारा बताया गया कि उक्त उत्खनन/परिवहन कार्य स्टोन क्रेशर संचालक उपेन्द्र ऊर्फ भूरु सूर्यवंशी द्वारा कराया जा रहा है।

मौके पर उपस्थित दल द्वारा उत्खनित क्षेत्र की माप की गई। माप अनुसार उत्खनित खनिज की मात्रा 14154 घ0मी आंकलित की गई। जांच अधिकारीयों द्वारा उक्त अवैध उत्खनन कार्य में संलिप्त मशीन डम्पर को जप्त कर पुलिस चौकी बोडखी थाना आमला की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है।

इसी प्रकार ग्राम अम्बाडा में मास्टर स्टोन क्रेशर के संचालक देवधर इंगले के पक्ष में स्वीकृत व अनुबंधित पत्थर उत्खनि पटटा की जांच के दौरान पटटाधारी द्वारा खदान में की गई ब्लास्टिंग से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत न किये जाने, पर्यावरण एवं खनिज नियमों का पालन न किये जाने संबंधी अनियमिताएँ पाई गई।

उपरोक्तानुसार अवैध उत्खननकर्ता स्टोन क्रेशर संचालक उपेन्द्र ऊर्फ भूरू सूर्यवंशी के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18(2) के प्रावधानों के अंतर्गत जुर्माना राशि रु 21231000/- (दो करोड बारह लाख इक्तीस हजार रू) प्रस्तावित कर प्रकरण को न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है एवं मास्टर स्टोन क्रेशर संचालक देवधार इंगले द्वारा पटटा संचालन में की गई गंभीर अनियमितता के कारण म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के प्रावधान अंतर्गत कार्यवाही प्रस्तावित की जा रही है।

बीज संघ हाइब्रिड बीजों का उत्पादन कर किसानों को बाजार से आधी कीमत पर उपलब्ध कराएगा : मंत्री श्री सारंग

'एम.पी. के चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड बनाने की होगी पहल

नई सीड प्रोसेसिंग यूनिट और किसानों के प्रशिक्षण पर दें विशेष ध्यान

सीहोर ,(निप्र)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने राज्य सहकारी बीज एवं विपणन संघ मर्यादित, भोपाल (बीज संघ) के संचालक मंडल की बैठक में बीज उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा किसानों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बीज संघ द्वारा मक्का, नॉन-जीएम कपास एवं सब्जियों के हाइब्रिड बीजों का उत्पादन एवं विपणन किया जाएगा। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज बाजार मूल्य की तुलना में लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इससे किसानों की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी। मंत्री श्री सारंग ने बीज संघ के 'चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीजों की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सोशल मीडिया, कृषि मेलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में बताया गया कि बीज प्रसंस्करण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई सीड प्रोसेसिंग यूनिट एवं कलर सॉर्टेक्स मशीनें स्थापित की जाएंगी। प्रथम चरण में यह कार्य गुना एवं खरगोन में प्रारंभ किया जाएगा, जिसे पैक्स एवं सहकारी समितियों के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तारित किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि किसानों को बीज उत्पादन के लिए प्रशिक्षित किया जाए। जिन किसानों ने बीज उत्पादन में अच्छा कार्य किया है, उनके माध्यम से अन्य किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए तथा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बीज उत्पादन योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि बीज संघ आगामी समय में बीज उत्पादन, ब्रांडिंग, प्रसंस्करण एवं विपणन को मजबूत करते हुए किसानों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य करे। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक संस्थाएं श्रीमती शीला दाहिमा, राज्य विपणन संघ के प्रबंध संचालक श्री अभिजीत अग्रवाल, बीज निगम के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के तहत राज्य टीकाकरण अधिकारी ने दोराहा सीएचसी का किया निरीक्षण

सीहोर,(निप्र)। राज्य टीकाकरण अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश दीक्षित ने सीहोर जिले के दोराहा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर किए जा रहे एचपीवी टीकाकरण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर अब तक किए गए एचपीवी टीकाकरण की जानकारी ली और टीकाकरण के लिए सभी 14-15 आयु वर्ग की बालिकाओं को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

मेगा विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, वृद्धजनों को अधिकारों की दी गई जानकारी

विदिशा ,(निप्र)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शेख सलीम के मार्गदर्शन में आज शुक्रवार को श्री हरि वृद्धाश्रम में मेगा विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, पुलिस विभाग एवं नगरपालिका विदिशा के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शेख सलीम, विशेष न्यायाधीश श्री जी.सी. शर्मा, जिला न्यायाधीश श्री मनोज शर्मा, जिला न्यायाधीश श्री कंचन सक्सेना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री नितेन्द्र सिंह तोमर, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री साकेत जैन सहित श्री हरि वृद्धाश्रम के संचालक श्री वेदप्रकाश शर्मा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशश्री शेख सलीम ने कहा कि 'मानव धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म है। माता-पिता भगवान के समान होते हैं, इसलिए वृद्धावस्था में उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़ने के बजाय उनकी सेवा करना प्रत्येक संतान का कर्तव्य है।' उन्होंने उपस्थित वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की।

नर्मदापुरम में 8 माह की गर्भवती ने जहरीला पदार्थ पिया: सीजर करके बच्चे को बचाया

महिला की हालत नाजुक; पिछले साल हुआ था विवाह

नर्मदापुरम,(निप्र)। नर्मदापुरम जिले में शुक्रवार को एक 8 माह की गर्भवती महिला द्वारा जहर खाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में उसे निजी नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने तत्काल सीजर ऑपरेशन कर बच्ची को सुरक्षित जन्म दिलाया। फिलहाल महिला की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनन्या रघुवंशी और डॉ. सौरभ रघुवंशी ने महिला की हालत को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया। महिला के गर्भ में 8 माह का बच्चा था, जिसे सुरक्षित निकालने के लिए समय से पहले सीजर किया गया।

बच्ची को भोपाल रेफर, मां की हालत नाजुक

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार महिला ने बच्ची को जन्म दिया है, लेकिन नवजात की हालत गंभीर होने के

कारण उसे भोपाल के रैंबो अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, मां को भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

नवमी पर घर में अकेली थी महिला

पुलिस के मुताबिक लक्ष्मी ठाकुर (26), निवासी ग्राम सुल्तानगर थाना भारकच्छ, का मायका इटारसी में है। उसकी शादी अप्रैल 2025 में सरविंद से हुई थी। पति के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे परिवार के सदस्य नवमी पर कुलदेवी पूजन के लिए घर से बाहर गए थे, जबकि लक्ष्मी घर पर अकेली थी। करीब 10:30 बजे महिला ने फोन कर तबीयत बिगड़ने और उल्टियां होने की जानकारी दी। इसके बाद उसे पहले बकतरा और फिर नर्मदापुरम लाया गया, जहां अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहर खाने का कारण अज्ञात, नहीं हो सके बयान

जहर सेवन की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार हंसकुमार ओनकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन महिला की गंभीर हालत और वेंटिलेटर पर होने के कारण उसके बयान नहीं हो सके। फिलहाल जहर खाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। महिला के होश में आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम और कारणों का खुलासा हो सकेगा।

संकल्प से समाधान अभियान में सीहोर जिले ने प्राप्त की उल्लेखनीय उपलब्धियां

1,12,950 में से 1,11,346 प्रकरणों का किया गया निराकरण

सीहोर ,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करने के लिए निरंतर काम कर रही है। सरकार गरीब, किसान, युवा, महिलाओं सहित सभी के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिए सतत कार्य कर रही है। शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है।

जिले में अभियान की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ - 98.96 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण : 'संकल्प से समाधान अभियान' में सीहोर जिले में उल्लेखनीय

उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं। अभियान के तहत 25 मार्च तक जिले में कुल 52 शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 46 कलस्टर, 05 ब्लॉक और एक जिला स्तरीय शिविर शामिल है। इन शिविरों में शासन की 106 सेवाओं और योजनाओं से नागरिकों को लाभान्वित किया गया। अभियान के तहत जिले में अभी तक 1,12,950 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 1,11,346 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 98.96 प्रतिशत की उल्लेखनीय उपलब्धि को दर्शाता है। शेष रहे आवेदनो को भी शीघ्र ही निराकृत कर दिया जाएगा। राज्य में प्रति जिला औसत 81 हज़ार आवेदन के सापेक्ष सीहोर जिले में 37 प्रतिशत अधिक आवेदन एकत्रित किये गये है। इसी प्रकार प्रति जिला औसत निराकरण 80 हज़ार आवेदन के सापेक्ष जिला सीहोर में 38 प्रतिशत अधिक आवेदन निराकृत किये गये है। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों की 542 ग्राम पंचायतों एवं 158 नगरीय वार्डों को शामिल करते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है।

प्रमुख विभागीय उपलब्धियां : अभियान के तहत जिले के विभिन्न विभागों द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। सहकारिता विभाग द्वारा 25,584 किसान क्रेडिट कार्ड स्वीकृत किए गए हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 15,545 भवन निर्माण अनुज्ञा एवं राजस्व विभाग द्वारा 11,878 खसरा/खतौनी प्रतिलिपियाँ प्रदान की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 9,774 आयुष्मान कार्ड स्वीकृत किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा हजारों की संख्या में आय, निवास एवं जाति प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं।

अभियान की विशेषताएँ : अभियान के अंतर्गत 19 विभागों की 106 सेवाएँ शामिल की गईं, जिनमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान क्रेडिट कार्ड, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, विभिन्न विवाह एवं छात्रवृत्ति योजनाएँ आदि प्रमुख हैं। घर-घर सर्वे के माध्यम से आवेदन एकत्र कर उन्हें पोर्टल पर दर्ज कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया है।

भगवान महावीर के विचार आज भी हैं प्रासंगिक : मुख्यमंत्री

दिगंबर और श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन ने दी है समाज सेवा को नई दिशा

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर संसार को सत्य, अहिंसा, असंचय, अपरिग्रह, त्याग और तपस्या का शाश्वत संदेश देने वाले करुणा के महासागर थे। भगवान महावीर ऐसे तीर्थंकर हैं, जिनसे हम सबको प्रेरणा मिलती है। ऐसे भगवान की जयंती हमें वर्षभर मनाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से करीब ढाई हजार साल पहले भगवान महावीर स्वामी ने जो कहा था, वह आज की वैश्विक परिस्थितियों में भी प्रासंगिक है। जैन दर्शन की विशेषता है कि वह दूसरों को दबाने या डराने के बजाय, जिनेन्द्रियों पर अर्थात् स्वयं पर विजय प्राप्त करता है। भगवान महावीर स्वामी ने भी स्वयं की इन्द्रियों को जीता है, इसलिये वे जिन महावीर कहलाये। आज पूरी दुनिया उनको पूजती है, उनके विचारों को मानती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान महावीर के चरणों में वंदन कर प्रदेशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर काल में राष्ट्र निर्माण में जैन समाज का अप्रतिम योगदान रहा है। आज ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करना हम सबके लिए सौभाग्य का अवसर है, जिन्होंने भगवान महावीर की शिक्षाओं को अपने आचरण और व्यक्तित्व में उतारा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में श्री मदन मोहन मेहता ऑडिटोरियम में महावीर जयंती व्याख्यान एवं महावीर अलंकरण/सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान जिन् महावीर पर दिखाए सत्यमार्ग पर चलने वाले 4 वरिष्ठ समाजसेवियों श्री चंदनमल चौरड़िया, श्री हंसराज जैन, श्री हंसमुख गांधी एवं श्री संतोष कुमार जैन को 'महावीर अलंकरण' प्रदान किया। साथ ही सम्मानित समाजसेवियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सबने भगवान महावीर के सिद्धांतों को सच्चे अर्थों में जीवन में आत्मसात किया है। आपका आचरण और यह उपलब्धि दूसरों को भी ऐसा करने की प्रेरणा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन उच्च कोटि की समाज सेवा के जीवंत उदाहरण है। महावीर जयंती व्याख्यान एवं महावीर अलंकरण समारोह के रूप में इन दोनों फेडरेशन्स का यह संयुक्त प्रयास अद्भुत संगठन शक्ति, समर्पण और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्तमान में चल रहे वैश्विक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए कहा कि स्वहितों के लिए पूरे विश्व को विषम और असामान्य सी परिस्थितियों में ला देने वाले लोगों को भगवान महावीर के 'अहिंसा परमो धर्मः' सूत्र वाक्य को याद करना चाहिए। क्योंकि हिंसा और अराजकता का जबाव प्रतिकार नहीं, बल्कि करुणा और संयम ही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीब 100 साल पहले विदेशियों को संबोधित करते हुए महान वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चन्द्र बसु ने बताया था कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है और वे इसका अनुभव करते हैं। हमारे यहां गांव-देहात में रहने वाला सामान्य व्यक्ति भी जानता है कि संध्या के समय पेड़-पौधों को स्पर्श नहीं करना चाहिए अथवा पत्तियों और पुष्पों को नहीं तोड़ना चाहिए। हमारे देश में चर-अचर जगत में सभी को सम्मान दिया जाता है। पृथ्वी को माता मानकर उसकी पूजा की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानव शरीर पंच तत्वों से मिलकर बना है और जैन दर्शन में पांच ज्ञानेन्द्रियां, पांच क्रमेन्द्रियां और मनुष्य के मन-मानस को विस्तार से परिभाषित किया गया है। जैन दर्शन में एकात्मवाद सहित उपवास, आत्मा, संस्कार आदि पर भी बहुत कुछ लिखा-कहा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा भोजन सात्विक होना चाहिए। जैसा आहार होगा, वैसा ही हमारा मन और विचार होंगे। परमात्मा ने एक चीज हम सबको दी है और वह है ऑक्सीजन, जो हम सबके जीवन के लिए जरूरी है। आज हमारी ऊर्जा का स्रोत भी सात्विक होना चाहिए। इसीलिए हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन में विशेष प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को शिक्षाविद् श्री स्वप्निल कोठारी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश चेलावत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मनोज पटेल, श्री गोलू शुक्ला एवं श्री सावन सोनकर, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री हरिनारायण यादव, श्री टीनू जैन, श्री सूरज कैरो सहित जैन समाज के संतगण, दोनों ही फेडरेशन्स के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

भाकपा द्वारा मप्र में विभिन्न आयोजनों का निर्णय

भोपाल। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश राज्य परिषद की दो दिवसीय बैठक राज्य कार्यालय शाकिर सदन भोपाल में विगत 24 और 25 मार्च को हुई। इस बैठक में सांगठनिक मुद्दों पर विचार विमर्श कर कार्य योजना निर्धारित हुई और विभिन्न आयोजनों का आयोजन लिया गया। इस अवसर पर भाकपा के राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड गिरीश शर्मा पर्यवेक्षक के रूप में संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता भाकपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने की। बैठक का एजेंडा राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने प्रस्तुत किया।

प्रारम्भ में भाकपा के राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड गिरीश शर्मा ने वर्तमान वैश्विक और राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य पर भाकपा की राजनीति को स्पष्ट रूप से रेखांकित कर अमेरिकी साम्राज्यवाद और राष्ट्रपति ट्रम्प की समूची मानवता के लिए घातक प्रवृत्तियों की भर्त्सना की और ईरान के लिए भाकपा की एकजुटता को अभिव्यक्त किया। साथ ही भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के रवैए की कड़ी आलोचना की। बैठक के निर्णयों के अनुसार अप्रैल माह में कॉमरेड होमी दाजी की जन्म शताब्दी के अवसर पर सारे मध्य प्रदेश में स्मृति समारोह आयोजित होंगे। 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती, 22 अप्रैल को लेनिन जयंती,1 मई को मजदूर दिवस और 5 मई को कार्ल को की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। अप्रैल और मई में ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन के जिला सम्मेलन आयोजित होंगे। मई माह से कॉमरेड महेन्द्र वाजपेई की जन्म शताब्दी पर स्मृति समारोह आयोजित होंगे। मई और जून माह में भाकपा की वैचारिक कार्यशाला राज्य स्तर और जिला स्तर पर आयोजित होगी। इन आयोजनों के सम्बन्ध में राज्य परिषद के सदस्यों ने विचार विमर्श कर कार्य योजना निर्धारित की। राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने विभिन्न मुद्दों पर लिए गए निर्णयों को रेखांकित किया। संचालन अध्यक्ष कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने किया।

लोकतंत्र की बेहतरी के लिए आज से जुटेंगे युवा विधायक

भोपाल। राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के युवा विधायकों का सम्मेलन 30-31 मार्च को मध्य प्रदेश विधानसभा में आयोजित किया जा रहा है।

इस संबंध मे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया तथा कार्यक्रम सफल एवं सुचारु रूप से संपन्न हो इस हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे।आयोजन की तैयारियों के अवलोकन उपरांत विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना और युवा जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर मंथन करना है। सम्मेलन में लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी और जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। मध्यप्रदेश में इस तरह का युवा विधायक सम्मेलन होना गर्व की बात है। सम्मेलन के दौरान कुल पांच सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पहले दिन तीन और दूसरे दिन दो सत्र होंगे। सम्मेलन में 45 वर्ष से कम उम्र वाले मध्यप्रदेश के 37, राजस्थान के 13 और छत्तीसगढ़ के 13 विधायक शामिल होंगे।

गौरतलब है कि सम्मेलन 30 मार्च को प्रातः 9:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के प्रथम दिवस 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने हेतु युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। प्रथम दिवस माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी भी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे।

सम्मेलन के दूसरे दिन 31 मार्च को 'विकसित भारत 2047' युवा विधायकों के दायित्व एवं चुनौतियां' विषय पर मंथन होगा। इस दिन अन्य सत्रों के अलावा एमआईटी पूना के चेयरमैन डॉ. राहुल वी. कराड का संबोधन होगा।

किराना कारोबारी ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

सुबह भाई ने सबसे पहले देखा शव, दुकान में फांसी के फंदे पर लटका था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बैरागढ़ इलाके में रहने वाले एक किराना कारोबारी ने अपनी दुकान में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। रविवार तड़के उनकी बॉडी फंदे पर लटकी मिली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार की दोपहर को बॉडी पीएम के बाद परिजनों को सौंप दी गई है। उमेश कुमार खतरी पिता हेमंत कुमार खत्री (41) नीलकंठ कॉलोनी शिव मंदिर के पास बैरागढ़ में रहते थे। उनके भाई अजीत ने बताया कि भैया किराना कारोबारी थे, इसी के साथ फाइनेंस कंपनी के लिए रिकवरी का काम भी करते थे।

शादी के आठ साल बाद हो गया था तलाक

2007 में शादी हुई और 2016 में पत्नी से तलाक ले लिया। उनके दो बच्चे हैं, दोनों बच्चे पत्नी के पास हैं। रविवार तड़के उनका शव घर में स्थित दुकान में फांसी के फंदे पर लटका मिला। भाई ने सबसे पहले बॉडी को देखा और परिजनों व पड़ोसियों की मदद से बॉडी को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने भी चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर्याप्त...रसोई गैस पर 'पैनिक'

भोपाल में सिलेंडर की दो दिन में ही 28000 बुकिंग ; सप्लाई 70 प्रतिशत ही हुई

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर 'पैनिक' जैसा माहौल है। कई शहरों में सिलेंडर की बुकिंग बढ़ गई है। अकेले भोपाल में ही 20 से ज्यादा गैस एजेंसियों पर सिलेंडर की बुकिंग दो से तीन गुनी तक बढ़ी है। यहां सुबह से दोपहर तक लोगों की भीड़ लग रही है। पिछले 2 दिन में ही भोपाल में 28 से 30 हजार तक बुकिंग हो गई, जबकि सप्लाई 22 हजार तक ही है। इससे पेंडिंग बुकिंग का आंकड़ा 40 हजार तक पहुंच गया है। वहीं, घरों में सप्लाई भी 4 से 5 दिन में हो रही है।

भोपाल में पहले से दोगुनी हो रही बुकिंग- फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि भोपाल में रसोई गैस को लेकर कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन पिछले 2-3 दिन में बुकिंग काफी बढ़ गई है। पहले से लगभग दोगुनी बुकिंग हो रही है। वहीं, सप्लाई 11 हजार सिलेंडर की है। इस कारण हर रोज 3 हजार तक पेंडिंग बुकिंग चल रही है। हालांकि, गैस पर्याप्त है। भोपाल में ही एजेंसियों के पास

5 से 6 दिन का स्टॉक है। भौंरी स्थित ऑयल डिपो से सिलेंडर की सप्लाई भी जारी है।

स्टॉक खत्म होने की वजह से ईंधन खत्म नहीं, कम ड्राई हुए पंप- मध्य प्रदेश पेट्रोल पंप ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि भोपाल में पिछले दो-तीन दिन से पंप ड्राई हो रहे थे। यह स्टॉक की कमी की बजाय से नहीं, बल्कि कंपनियों को एडवांस राशि नहीं देने की वजह से था। कंपनियां अब क्रेडिट दे रही है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में ईंधन पंपों पर आ रहा है। शनिवार को कहीं से भी पंप ड्राई होने की खबरें नहीं आई। भोपाल में 192 पंप पर पर्याप्त ईंधन रहा।

उन्होंने बताया कि अफवाहों के चलते ईंधन की खपत में तेजी जरूर आई है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भीड़ अपेक्षाकृत कम है, लेकिन खपत करीब 25त्न तक बढ़ गई है।

उज्जैन के ब्रह्माणी माता मंदिर मेले में डर्टी डांस

अश्लील इशारे भी करती दिखी डांसर ; युवकों ने किया हुड़दंग, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में स्थित ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर में डांस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डांसरों ने अश्लील गानों पर डांस किया। कालीसिंध महोत्सव मेले के आयोजकों ने बाहर से डांसरों को बुलाया था। मामला तराना जनपद पंचायत के सामानेरा गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर के पीछे बने मंच पर 19 मार्च से 28 मार्च तक कथा का आयोजन चल रहा था। आयोजन के अंतिम दिन डांस कार्यक्रम रखा गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

मेले के दौरान मंच पर फिल्मी गाने पर डांस प्रस्तुति दी गई, जिसमें हिला दूं एमपी, हिला दूं यूपी, जो मारूं मैं ठुमका, ये मेरा लहंगा पड़ा है महंगा मेरी पतली कमर, मेरी तिरछी नजर, छम्मा-छम्मा जैसे बोलों पर डांसर ने परफॉर्म किया। डांसर डर्टी इशारे भी करती दिखी।

कार्यक्रम के दौरान युवकों ने किया बवाल- डांस कार्यक्रम के दौरान कुछ युवकों ने हुड़दंग शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पहले लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ के काबू में नहीं आने पर हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस ने लोगों को डंडों से पीटा- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों को डंडों से पीटा गया, जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई और स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए।

पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया

मामले में माकड़ौन थाना प्रभारी पीएस राजपूत ने बताया कि मेले के दौरान कुछ लोग अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे थे। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद उपनिरीक्षक मंशाराम चौधरी और उनकी टीम ने हल्का बल प्रयोग किया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में किसी के खिलाफ कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है।

अश्लील डांस पर प्रशासन की प्रतिक्रिया नहीं आई

मेले की व्यवस्था की जिम्मेदारी सहायक विकास विस्तार अधिकारी राजेश कदवाने, मेला अधिकारी आशीष तिवारी सहित अन्य अधिकारियों के पास थी। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद आयोजन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से अश्लील डांस मामले में प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मई में साय मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल के संकेत

चर्चा है कि पांच राज्यों के चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय मंत्रिमडल में व्यापक फेरबदल के आसार हैं। राज्य के कई मंत्रियों को लेकर लोगों की राय अच्छी नहीं बताई जा रही है। बताते हैं एक मंत्री जी ब्यूरोक्रेसी पर पकड़ बनाकर प्रशासन को अपने मन-मुताबिक हाँक रहे हैं। इससे कुछ मंत्री दुखी हैं, क्योंकि अफसर उनकी सुन नहीं रहे हैं। इसी वजह से कई मंत्रियों का अपने विभागीय सचिव से तालमेल बिगड़ा हुआ है। हल्ला है कि आरएसएस के अंदरूनी सर्वे में कई मंत्रियों के अगले चुनाव में जीत पाने की संभावना नजर नहीं आ रही है। खबर है कि खुफ़िया रिपोर्टों में भी कई मंत्रियों की हालत पतली बताई गई है। कई मंत्री ऐसे भी हैं,जो विधानसभा के भीतर न तो सवालों का ठीक से जवाब दे पाए और न ही विपक्ष पर हावी हो पाए। मंत्रियों की कार्यशैली और व्यवहार को लेकर भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी दिखती है। भाजपा के लोग ही चुटकी लेने लगे हैं, हमारी सरकार में ऐसे जनप्रतिनिधियों के मंत्री बन जाने की संभावना नहीं थी। माना जा रहा है कि सभी मंत्रियों का इस्तीफा लेकर नए सिरे से मंत्रिमंडल का पुनर्गठन किया जा सकता है। खबर है कि एक मंत्री को केंद्रीय संगठन में भी भेजा जा सकता है।

महकमे के लिए दाग बन गए डांगी

2003 बैच के आईपीएस रतनलाल डांगी पुलिस महकमे के लिए दाग बन गए। सोशल मीडिया में आपत्तिजनक फोटो और अन्य आरोपों के आधार पर रतनलाल डांगी को निलंबित कर दिया गया है। रतनलाल डांगी राज्य में कई जिलों में एसपी और बड़े रेंज में आईजी रहे हैं। पुलिस महकमे में ऊँचे पद पर बैठे लोगों के कृत्य ही कदाचरण के दायरे में आए तो साफ़ है कि विभाग में किस तरह की अराजकता है। राज्य का पुलिस विभाग एडहॉक पर चल रहा है। एक साल से अधिक समय हो गया सरकार स्थायी डीजीपी ही नियुक्त नहीं कर पाई है। बताते हैं कामचलाऊ डीजीपी अरुणदेव गौतम ने राज्य सरकार की अनुमति के बगैर ही रतनलाल डांगी को नवंबर 2025 में पुलिस मुख्यालय में नारकोटिक्स का प्रभारी बना दिया,जबकि सरकार ने एक महिला की शिकायत के आधार पर सरकार ने श्री डांगी को राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी के निदेशक के पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय में अटैच कर दिया था। प्रभारी डीजीपी अरुणदेव गौतम की श्री डांगी के प्रति मेहरबानी चर्चा में है। कहा जा रहा है कि प्रभारी डीजीपी ने श्री डांगी के खिलाफ एक्शन लेने में देरी की। रतनलाल डांगी के खिलाफ शिकायतों की जाँच के लिए डीजीपी ने दो सदस्यीय समिति बनाई थी, समिति ने काफी पहले ही रिपोर्ट दे दी थी।

ब्यूरोक्रेसी में फेरबदल टला

कहते हैं छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक फेरबदल फिलहाल टल गया है। पहले चर्चा थी कि विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने के बाद राज्य में व्यापक स्तर पर प्रशासनिक बदलाव होगा, लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में राज्य के कई आईएएस और अन्य सेवाओं के अफसरों की ड्यूटी के कारण प्रशासनिक फेरबदल टलने की खबर है। अब माना जा रहा है कि मई के दूसरे हफ्ते में प्रशासनिक फेरबदल होगा। सरकार ने 2012 बैच के आईएएस रजत बंसल को पुरानी जिम्मेदारियों के साथ आयुक्त जनसंपर्क और मुख्यमंत्री सचिवालय का प्रभार सौंपकर तात्कालिक व्यवस्था कर दी है। जनसंपर्क आयुक्त डॉ रवि मित्तल के पीएमओ में जाने के कारण उन्हें कार्यमुक्त करना और वहां नई पोस्टिंग करना जरुरी थी। कहा जा रहा है कि प्रशासनिक फेरबदल की तैयारियां हो गई थी, पर कई अफसरों के न होने और उनके लिंक अफसर की व्यवस्था जैसी दिक्कतों के कारण पेंच फंस गया और मामला टल गया। कई अफसर राज्य में साय सरकार आने के बाद से एक ही विभाग में कार्यरत हैं। कुछ जिलों में भी यही स्थिति है। फील्ड और दूसरे विभागों में जाने के इच्छुक अफसरों को अब कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

सागर की लहर बने कांग्रेसी नेता

कहते हैं कांग्रेस के एक नेता सागर की लहरों की तरह फिर से सत्ता में वापसी का तेवर दिखा रहे हैं और अफसरों को ताकीद भी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताजी काफी एक्टिव हो गए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत से भी तेज दौड़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनाव में अभी ढाई-पौने तीन साल बचे हैं, पर कांग्रेस नेता के तेवर से ब्यूरोक्रेट भी तेल की धार को समझने में लग गए हैं। प्रशासनिक हलकों में कांग्रेस के नेतृत्व पर अभी से चर्चा होने लगी है। अब देखते हैं समय क्या करवट लेता है। साल 2008 में डॉ रमन सिंह की वापसी न होने की संभावना पर एक वरिष्ठ आईएएस नतीजों से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी से मिलने चले गए थे , जबकि वे रमनसिंह की सरकार में बड़े पावरफुल पोस्ट पर थे। 2008 में रमनसिंह दोबारा मुख्यमंत्री बने तो जोगी जी से मिलने गए आईएएस महोदय के पर कतरे गए थे।

रायगढ़ यूनिवर्सिटी का कुलपति कौन बनेगा ?

कहते हैं स्व. नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ का कुलपति छत्तीसगढ़ का निवासी बनेगा या दूसरे राज्य का, इस पर विवाद शुरू हो गया है। स्व. नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के कुलपति के लिए पैनल कई महीनों से राज्यपाल के पास पहुँच गया है। अब राज्यपाल रमेन डेका को पैनल में कुलपति के लिए एक व्यक्ति का चयन करना है। इस विश्वविद्यालय के लिए छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्रोफेसरों के साथ अन्य राज्यों के प्रोफेसरों ने आवेदन किया है। बताते हैं कुलपति के लिए पैनल में छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के प्रोफेसरों का नाम है। चर्चा है कि पैनल में शामिल एक पहाड़ी राज्य के प्रोफ़ेसर के नाम को लेकर विवाद शुरू हो गया है। खबर है कि पहाड़ी राज्य के प्रोफ़ेसर को कुलपति बनाने के शीर्ष स्तर पर दबाव बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के कई विश्वविद्यालयों में अन्य राज्यों के प्रोफ़ेसर कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। इस कारण नियुक्ति से पहले ही मोर्चाबंदी की जा रही है।